छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 90 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

भीषण गर्मी के मद्देनजर स्कूलों के समय में परिवर्तन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा तथा कक्षा पहली से 5वीं एवं छठवीं से 8वीं बोर्ड एवं स्थानीय वार्षिक परीक्षाएं प्रात: प्रथम पाली में संचालित हो रही हैं, जिसके कारण कक्षा नवमी एवं 11वीं की परीक्षाएं दोपहर द्वितीय पाली में संचालित की जा रही हैं, जो 10 अप्रैल को समाप्त हो जाएंगी। इसके उपरांत 11 अप्रैल से जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त विद्यालय पूर्ववत प्रात: 07.30 बजे से 11.30 बजे तक संचालित होंगे। ऐसे में विद्यालयीन छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ को गर्मी तथा लू से बचाव एवं सावधानी बरतने सभी आवश्यक उपाय एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है।

सरगुजा सांसद ने प्रधानमंत्री से भेंट करके कई बिंदुओं पर की चर्चा

मक्का के धानी से बने माला को पहनाकर किया स्वागत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में सौजन्य भेंट करके अंबिकापुर से दिल्ली और अंबिकापुर से कोलकाता तक हवाई सेवा प्रारंभ करने के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने मक्का की धानी से बने पारंपरिक माला को पहनाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया, और नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में चल रहे प्रयासों की सराहना की। क्षेत्रीय विकास पर चर्चा करते हुए उन्होंने पर्यटन के क्षेत्र में आधारभूत ढांचा, संस्कृत महाविद्यालय स्थापना और शिक्षा व्यवस्था में सुधार का आग्रह किया। सांसद ने आदिवासी समाज के आश्रमों के विकास पर भी विशेष जोर देते हुए प्रधानमंत्री को गहिरा गुरु के द्वारा स्थापित संत समाज के धाम में आने के लिए आमंत्रित किया।

बता दें कि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करके सरगुजा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और रेल, हवाई कनेक्टिविटी जैसी सेवाओं की बेहतरी के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने अंबिकापुर से दिल्ली व कोलकाता के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री का आभार जताया है। कार्यकर्ताओं और रेल कनेक्टिविटी के विस्तार को लेकर संघर्षरत लोगों से लगातार विचार-विमर्श व संवाद के बीच सामने आने वाले पहलुओं के प्रति वे गंभीर हैं। रेल कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए उन्होंने लोकसभा में आवाज उठाई है, ताकि स्थानीय व्यापारियों और आम जनता को सुविधा हो। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पर केवल एक प्लेटफॉर्म होने व यात्री सुविधाओं के लिहाज से नए प्लेटफॉर्म की जरूरत को भी उन्होंने संज्ञान में लाया, जिसके परिणामस्वरूप यहां के रेलवे स्टेशन की तस्वीर बदल रही है। सरगुजा सांसद के द्वारा ऐसे कई सकारात्मक पहलुओं को केंद्र सरकार व केंद्रीय मंत्रियों तक पहुंचाने में वे लगे हैं।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने गुरुवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल के साथ लखनपुर विकासखण्ड का दौरा किया। उन्होंने यहां विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों सहित निर्माण कार्यों एवं अन्य संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लखनपुर के दूरस्थ क्षेत्र कुन्नी में निर्माणाधीन नवीन आंगनबाड़ी केंद्र एवं महतारी सदन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति जानकारी ली तथा समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया। कुंवरपुर स्थित सरगुजा छेरी बैंक का अवलोकन किया। यहां लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के प्रभाव एवं उनके अनुभवों की जानकारी ली। कुंवरपुर क्षेत्र में एलएससी केंद्र का निरीक्षण करते हुए संपूर्णता अभियान 2.0 अंतर्गत एफएमडी वैक्सीनेशन कार्य में संलग्न पशु सखियों एवं एनआरएलएम कैडरों से चर्चा की। इनके द्वारा संचालित जागरूकता गतिविधियों की सराहना करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

टीबी मरीजों को पोषण किट का किया वितरण

कलेक्टर ने दौरे के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लहपटरा एवं कुन्नी पहुंचे। पीएचसी लहपटरा में प्रतिमाह लगभग 15 प्रसव होने और इस माह 5 प्रसव होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने प्रशिक्षित स्टाफ नर्स से ही प्रसव करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां फार्मासिस्ट के रिक्त पद को भरने हेतु प्रस्ताव भेजने कहा। निरीक्षण दौरान 100 दिवस टीबी मुक्त अभियान की जानकारी ली गई एवं टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को पूरे ग्राम पंचायत में अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां टीबी मरीजों से मुलाकात पोषण किट का वितरण किया।

लापरवाह कर्मचारी को निलंबित करने भेजें प्रस्ताव

पीएचसी कुन्नी में कलेक्टर ने संस्थागत प्रसव में महिलाओं को प्रदान किए जाने वाली 1400 रुपये की सहायता राशि समय पर दिया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिया और कहा कि कोई भी प्रकरण लंबित ना रहे। उन्होंने कहा कि बैंक खाते के कारण लंबित प्रकरणों के लिए संबंधित का खाता खुलवाया जाए। यहां प्रतिमाह औसत 10 प्रसव प्रशिक्षित स्टाफ नर्स से कराने का निर्देश दिया। सभी मरीजों को मच्छरदानी लगाने कहा। एचआरपी मरीजों की निगरानी रखने तथा नियमित फॉलोअप के निर्देश दिए। इस दौरान कार्य के प्रति लापरवाही पर स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी शिवरात्र तिर्की को निलंबित करने प्रस्ताव भेजने कहा।

स्विमिंग पुल में जॉब करने वाली देबी ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में जीता रजत

माता-पिता का 7 साल की उम्र में साथ छूटा, चाचा-चाची के साथ दिक्कतों के बीच की बसर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुश्किल हालातों के बीच भी मजबूत कदम आगे बढ़ते हैं, इसे खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की ललक के साथ बयां किया असम की महिला पहलवान देबी डायमारी ने, जो बाधाओं को पार करने की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प को सामने लाता है।

असम के गोलाघाट जिले के सिसुपानी स्थित दिनेशपुर गांव की रहने वाली 28 वर्षीय देबी ने सात साल की उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। इसके बाद उन्हें अपने चाचा-चाची के साथ रहना पड़ा और आर्थिक तंगी के चलते अपनी ट्रेनिंग जारी रखने के लिए उन्हें छोटे-मोटे काम भी करने पड़े। देबी को उन सभी प्रयासों का फल तब मिला, जब उन्होंने यहां 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में महिलाओं की 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। बोडो ट्राइब से आने वाली देबी कहती हैं, इस पदक के पीछे उनकी कड़ी मेहनत है। चार साल पहले ही 2022 में गोलाघाट जिले के बोकाखात में काजीरंगा के बगल में खेलो इंडिया सेंटर में वह कुश्ती शुरू की थी। इसमें प्रैक्टिस करने के लिए मुझे सेंटर के आसपास रूम लेकर रहना पड़ा। रूम का 1000 रुपया किराया देने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे, इसलिए एक साल तक पार्ट टाइम जॉब की। पहले 2022 में 2500 रुपये मासिक वेतन पर ईजी बाजार (बोकाखात) स्टोर में काम की, 2023 में काजीरंगा में स्थित बोन विला रिसॉर्ट में करीब 7000 रुपये मासिक वेतन पर जॉब करना पड़ा। यहां वह स्वीमिंग पुल की देखभाल और सफाई करती थीं। सारा दिन काम करने के बाद शाम को सिर्फ दो घंटे के लिए कुश्ती का प्रैक्टिस कर पाती थी। इसके बदले उन्हें रजत मिला, लेकिन देबी इससे संतुष्ट नहीं है, और कड़ी मेहनत करके आगे गोल्ड जीतना चाहती है। कुश्ती में मैट पर उतरने से पहले देबी पॉवर लिफ्टिंग और आर्म रेसलिंग करती थीं। साल 2022 में उनकी मुलाकात असम टीम के कोच अनुस्तूप नाराह से हुई, जिनके मार्गदर्शन में रहकर वह कुश्ती की दांव-पेंच सीखी।

कोच अनुस्तूप कहते हैं, 2022 में जब बोकाखात में पंजा टूर्नामेंट हुआ था, उस दौरान देबी मिली और देखते ही उन्होंने रेसलिंग करने के लिए कहा। सोच-विचार के बाद देवी ने हां कह दिया और उन्हें सबसे पहले सेंटर के पास ही रहने के लिए कहा, ताकि ट्रेनिंग के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस पर वह बोली कि सर यहां रूम लेकर रहना पड़ेगा और मेरे पास इतने पैसे नहीं है। इस पर उन्होंने गोलाघाट जिले के कुश्ती सहायक सचिव से कहकर देबी को काम और एक साइकिल दिलवाया। देबी उसी साइकिल से जॉब करने लगी और सेंटर के पास रहकर ही प्रैक्टिस भी करने लगी। देबी डायमारी ने 2022 में अपने ही जिले के बोकाखात में काजीरंगा स्थित खेलो इंडिया सेंटर में कुश्ती शुरू की और उसी साल विशाखापत्तनम में हुए सीनियर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया। इसके बाद 2024 में स्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

पति और ससुराल का मिला सहारा

देबी की पिछले साल ही शादी हुई है और उनका पति बेंगलोर में प्राइवेट नौकरी करता है। वह कहती हैं, ससुराल वाले व पति उसे हर तरह से सपोर्ट करते हैं। पति बेंगलुरु से बराबर पैसा भेजते रहता है ताकि उसे किसी चीज की दिक्कत ना हो। देबी का अगला लक्ष्य सीनियर लेवल पर और पदक जीतना है ताकि इसके बाद इंटरनेशनल लेवल पर भाग ले सके। इसके लिए वह दिन-रात कड़ी मेहनत कर रही है।

चालीसा उपवास के अंतिम सप्ताह, पुण्य गुरुवार को विशेष प्रार्थना संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मसीही समाज चालीस दिनों के उपवास व परहेज की अवधि के अंतिम सप्ताह में पुण्य गुरुवार की भक्ति आराधना में गुरूवार को लीन रहा। विविध धार्मिक अनुष्ठान शाम 5 बजे से नवापारा स्थित बेदाग ईश माता महागिरिजा घर में परंपरागत रूप से संपन्न हुए। सांध्यकालीन कार्यक्रम के समस्त धार्मिक अनुष्ठान अंबिकापुर धर्म प्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप अंतोनी बड़ा की अगुवाई में फादर विलियम उर्रे व पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर ने संपन्न कराया। इस अवसर पर समुदाय को संबोधित करते हुए बिशप ने कहा कि प्रभु ईसा ने कहा मैं तुम्हे एक नई आज्ञा देता हूं, तुम एक-दूसरे को प्यार करो, जैसे मैंने तुम्हें प्यार किया है, जैसे प्रभु ईसा ने अपने शिष्यों के पैर धोकर विनम्रता और दया की शिक्षा दी। येसु ने अपने चेलों के पैर धोकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि सच्चा जीवन विनम्रता सेवा और प्रेम में निहित है। यह ऐसा सबक है जो हमें जीवन के दैनिक दिनचर्या के व्यवहार व कार्यों के दौरान अपने व अजनबियों के बीच भी दिखना चाहिए। पुण्य गुरुवार के दिन ही ईशा मसीह ने संध्या भोज के पूर्व अपने 12 चेलों के पैर धुलाकर उन्हें अपना तन व रक्त समर्पित किया जो परम प्रसाद के रूप में मसीही ग्रहण करते हैं। आज के दिन जिन 12 चेलों के पैर येसु मसीह ने धुलवाए, वो ही प्रथम पुरोहित बने व आज के दिन से ही पुरोहिताई संस्कार की स्थापना भी हुई। इसी रात को येसु के एक चेले ने धोखे से उन्हें राजा पिलातुयूस के सिपाही के हवाले कर दिया और यहीं से येसु का दुखभोग प्रारंभ हो जाता है। उन्हीं पलों को याद कर मसीही समाज आराधना में डूबे हैं। आस्था के मुताबिक बिशप ने भी 12 चेलों के पैर धुलाये। इस दौरान बाइबिल के पाठ का वाचन फिलिप तिर्की व अजिता टोप्पो के द्वारा किया गया। पवित्र सक्रामेन्ट का जुलूस कार्यक्रम युवा संघ ने सम्पन्न कराया। रात्रि 8 बजे से इन कार्यक्रमों के बाद आराधना प्रारम्भ हुई। इसमें सभी पारा, टोला व संस्थानों के द्वारा पारी-पारी से अपनी प्रस्तुति दी गई। बीच-बीच में भक्तिमय गीतों की मनमोहक प्रस्तुति फादर अनुरंजन के नेतृत्व में बढ़नीझरिया के युवक-युवतियों की टीम भक्तों के बीच माहौल को दुखभोगमय बना रही थी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में फादर, सिस्टर्स व समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

गांधी स्टेडियम में मल्लखंभ का शुभारंभ, पारंपरिक खेलों का दमदार प्रदर्शन

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में 14 राज्यों के टीमों की भागीदारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के गांधी स्टेडियम अंबिकापुर में पारंपरिक भारतीय खेल मल्लखंभ का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने अपने अद्भुत संतुलन, शक्ति एवं लचीलापन का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मल्लखंभ, जो कि भारत की प्राचीन खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, को इस प्रतियोगिता में डेमो खेल के रूप में शामिल किया गया है। इसके माध्यम से पारंपरिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्राप्त हो रही है। मल्लखंभ प्रतियोगिता अंतर्गत विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बालक-बालिका वर्ग में टीम चैंपियनशिप (पोल एवं रोप मल्लखंभ), पिरामिड चैंपियनशिप तथा पुरुष एवं महिला वर्ग में पिरामिड, पोल एवं रोप मल्लखंभ, हैंगिंग मल्लखंभ शामिल हैं। टीम स्पर्धाओं में अधिकतम 6 खिलाड़ियों की भागीदारी निर्धारित की गई है। गांधी स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने पोल एवं रस्सी मल्लखंभ पर आकर्षक करतब प्रस्तुत किए। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। इस आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

बाथरूम गया युवक बाहर नहीं निकला, बहन गई तो टब में सिर के बल पड़ा था भाई

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सक ने किया मृत घोषित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के करबला रोड सत्तीपारा निवासी विशाल मानिकपुरी पिता कामेश्वर मानिकपुरी 26 वर्ष, की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक गुरूवार को सुबह करीब 9 बजे उठने के बाद ब्रश करने के लिए बाथरूम गया था। इसके बाद काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो उसकी बहन नंदिनी दास अपने भाई को देखने के लिए बाथरूम में गई। आवाज लगाने पर जब किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आने पर बाथरूम में झांकी तो उसका भाई पानी के टब में सिर के बल पड़ा था। इसकी जानकारी वह परिवार के सदस्यों को दी। आननफानन में स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा।

वर्दीधारियों को देखकर बाल्टी लेकर भागा होटल संचालक जेल दाखिल

आबकारी अमले ने दौड़ाकर पकड़ा, दो पॉलीथीन में मिला 5 किलो गांजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने नवापारा लखनपुर के कुख्यात गांजा तस्कर को पांच किलो गांजा के साथ गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक दो अप्रैल को सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता उड़नदस्ता टीम एवं जिला आबकारी सरगुजा की टीम के साथ संयुक्त गश्त पर लखनपुर क्षेत्र में निकले थे, इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम नवापारा, अमगसी का कृष्णा सिंह के घर में काफी मात्रा में गांजा उतरा है। द्वय टीम नवापारा अमगसी निवासी कृष्णा सिंह के होटल एवं घर में दबिश दी, तो वर्दी में आबकारी की टीम को देखकर कृष्णा सिंह अपने होटल के पीछे की ओर भागने लगा, जिसे दौड़ाकर पकड़ा गया। उसके हाथ में एक बाल्टी था, जिसमें दो पॉलीथीन में गांजा रखा हुआ था। इसका कुल वजन 5.135 किलोग्राम होना पाया गया। आबकारी की टीम ने होटल मालिक कृष्णा सिंह को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20बी के तहत गिरफ्तार करके जेल दाखिल कर दिया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि कृष्णा सिंह पिछले कई वर्षों से गांजा का व्यापार करते आ रहा है, वह दो बार जेल भी जा चुका है, लेकिन गांजा का धंधा बंद नहीं किया। गुरूवार को गश्त में निकली टीम के हत्थे वह चढ़ गया। उन्होंने बताया कि आबकारी उड़नदस्ता की टीम सूखे नशे पर जीरो टोलरेंस की नीति अपना रही है, और हर नशे के कारोबारी को जेल भेज रही है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के साथ जिला आबकारी से आबकारी उप निरीक्षक सौरभ साहू, आकाश साहू एवं अनिल गुप्ता सक्रिय रहे।

तेज रफ्तार ट्रेलर पेड़ से टकराया, धू-धू कर जला वाहन

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय एनएच-343 राष्ट्रीय राजमार्ग पर डुमरखी बैरियर के समीप गुरूवार को लगभग तीन बजे तेज रफ्तार खाली ट्रेलर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सरई के पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही पलों में पूरा ट्रेलर आग की लपटों में घिर गया।

सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था से सफर हुआ आसान

★ मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा से गांव-शहर की दूरी हुई कम ★ दुर्गम गांवों तक पहुंच रही बस सेवा से ग्रामीणों को राहत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना ने ग्रामीण अंचलों में परिवहन व्यवस्था को एक नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित बस सेवा योजना अंतर्गत दूरस्थ और दुर्गम गांवों को जिला एवं विकासखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली 4 नई बस सेवाओं की शुरुआत की गई है।

पहले की स्थिति में कई गांव ऐसे थे जहाँ नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं थी। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए लंबी दूरी, पैदल या महंगे निजी साधनों से तय करनी पड़ती थी। किसानों और व्यापारियों को अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में कठिनाई होती थी। लेकिन बस सेवाओं के संचालन से ग्रामीणों को सुरक्षित, सुलभ परिवहन सुविधा मिल रही है। विद्यार्थी अब समय पर स्कूल और कॉलेज पहुंच पा रहे हैं। किसान अपनी उपज सीधे बाजार तक ले जा पा रहे हैं। श्रमिकों और व्यापारियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। राजपुर, रामानुजगंज, शंकरगढ़, वाड्रफनगर के अनेक गांव अब सीधे बस सेवा से जुड़ गए हैं। इससे ग्रामीणों के समय की बचत हो रही है।

रामानुजगंज से मर्मा जा रही नगोई बाई अपने पुराने दिनों को साझा करते हुए बताती है कि पहले कही जाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था या महंगे साधन लेना पड़ता था। अब बस सेवा से परिवहन करना आसान हो गया है। राजपुर से नरसिंहपुर जा रही महिला श्रीमती श्यामा ने कहा कि अब अस्पताल, बाजार या अन्य जरूरी कामों के लिए हमें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। बस सेवा से हमारी जिंदगी काफी आसान हो गई है। रामानुजगंज से लोधा जा रहे दशरथ मरावी का कहना है कि पहले परिवहन सुविधा न होने के कारण गांव से बाहर जाने में परेशानी होती थी। लेकिन अब बस संचालन से हम आसानी से विकासखण्ड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंच जाते हैं। इससे समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है। योजना के माध्यम से उन्हें निजी वाहनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो गई है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत जिले में 4 बस सेवाएं प्रदान की गई है। सुदूर वंनांचलों में रहने वाले लोगों के आवागमन सुविधा से सहुलियत मिल रही है।

इसके लिए जिले में 4 मार्गों का चयन किया गया है। जिसके अंतर्गत राजपुर से नरसिंहपुर (व्हाया, राजपुर, परसागुड़ी, चिलमा कला, नरसिंहपुर)। इसी प्रकार रामानुजगंज से भीतरचुरा (व्हाया रामचन्द्रपुर, बाहरचुरा, चरगढ़, चेरवाडीह, भीतरचुरा) एवं शंकरगढ़ से पटना (व्हाया पटना, जगिमा, डीपाडीहखुर्द, हरगावां, घुघरीखुर्द, चलगली, शंकरगढ़) तथा रामानुजगंज से वाड्रफनगर (व्हाया छतवा, लोधा, डाटम, बाहरचुरा, विमलापुर, डिण्डो, सलवाही, कसरईया, गोबरा, फुलीडुमर) में बस परिवहन सेवा शुरू की गई। ग्रामीण बस सेवा शुरू होने से यात्रा करने वाले ग्रामीणों को अब अधिक सुगम, सुरक्षित परिवहन सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना ने गांव और शहर के बीच की दूरी कम कर सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी है। जो समावेशी विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है और ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास को नई गति मिल रही है और मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना अंतर्गत ग्रामीण परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होने से गांव और शहर के बीच की दूरी कम हुई है और लोगों का जीवन आसान हुआ है।

ई-डिस्ट्रिक्ट प्रशिक्षण एवं महतारी वंदन योजना केवाईसी अभियान पर हुआ प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के मंगलभवन भैयाथान में गुरुवार को ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के प्रशिक्षण एवं महतारी वंदन योजना केवाईसी अभियान के तहत संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक के समस्त वीएलई तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं के संचालन, आवेदन प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। साथ ही महतारी वंदन योजना के अंतर्गत केवाईसी प्रक्रिया को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

हाइड्रोसील, बवासीर व गुप्त रोगों के शर्तिया इलाज का दावा कर संचालित कर रहे क्लिनिक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कथित रूप से अवैध क्लिनिक संचालित होने और भोले-भाले ग्रामीणों से इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूलने के आरोप सामने आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार कुछ लोग चांदसी दवाखाना सहित विभिन्न नामों से क्लिनिक संचालित कर हाइड्रोसील, बवासीर, भगंदर एवं गुप्त रोगों के शर्तिया इलाज का दावा कर रहे हैं। उक्त दावा आयुर्वेद के आड़ में प्रशासन की कार्यवाही से बचने दिखावे के लिए किया जा रहा है।आरोप है कि इन क्लिनिकों का संचालन करने वाले कथित लोगों के पास न तो मान्य चिकित्सकीय डिग्री है और न ही दवाखाना संचालन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज। लोगों का कहना है कि जब-जब प्रशासन द्वारा जांच अभियान चलाया जाता है, ये क्लिनिक संचालक अपने ठिकाने बंद कर

फरार हो जाते हैं और कार्रवाई ठंडी पड़ते ही दोबारा सक्रिय हो जाते हैं। आरोप है कि इन क्लिनिक संचालकों ने गांव स्तर पर एजेंट नियुक्त कर रखे हैं, जो मरीज लाने पर कमीशन प्राप्त करते हैं। प्रचार-प्रसार के लिए पंपलेट बांटे जाते हैं, जिनमें शर्तिया इलाज की गारंटी दी जाती है। सरकारी स्तर पर मुफ्त इलाज और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के झांसे में आ जाते हैं और आर्थिक नुकसान उठाते हैं। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से ऐसे अवैध क्लिनिकों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। सूरजपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित भगत ने कहा कि इस संबंध में लगातार शिकायतें मिल रही हैं। सीएमएचओ से इस संबंध में चर्चा कर कार्यवाही के लिए वे बात करेंगे और जल्द ही ऐसे फर्जी दवाखानों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी ऐसे क्लिनिक संचालकों पर कार्यवाही की जा चुकी है।

सिलफीली में आज सजेगा खाटू श्याम जी का भव्य दरबार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री श्याम सेवा समिति सिलफिली द्वारा आज सिलफिली हाई स्कूल ग्राउंड में पंचम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया है। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष शुभम

अग्रवाल ने बताया कि 3 अप्रैल को प्रातः सुबह 9 बजे से श्याम नाम की निशान यात्रा सिलफिली के राधा गोविंद मंदिर से हाई स्कूल कीर्तन स्थल तक निकाली जाएगी। उसके पश्चात शाम 6 बजे से श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहक, जिसमें मुख्य रूप से परविंदर पलक फतेहाबाद, मोनू दुआ चंडीगढ़, चैतन्य दाधीच जयपुर से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। कीर्तन में सूरजपुर के पप्पू महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। पंचम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव को भव्य रूप से करने के लिए आयोजन समिति के सदस्य जोर-जोर से लगे हुए हैं। सम्पूर्ण क्षेत्र में भक्ति का वातावरण निर्मित हुआ है। बाबा श्याम के भव्य दरबार हेतु उड़ीसा के दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा श्याम का आकर्षक दरबार बनाए हैं और अलौकिक श्रृंगार हेतु विभिन्न राज्यों के फूलों को मंगाया गया है। कीर्तन में श्याम रसोई, इत्र वर्षा, छप्पन भोग की व्यवस्था की गई है। समिति के संरक्षक धीरज विश्वास ने सभी भक्तों को आने की अपील की है। आयोजन की तैयारियों के बीच कीर्तन को सफल बनाने हेतु समिति के संरक्षक ठाकुर राजवाड़े, संजय मित्तल धीरज विश्वास, विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष शुभम अग्रवाल, अमन अग्रवाल, शुभम गोयल, कृष्णा गुप्ता, राजकुमार बैरागी, अभिषेक कुशवाहा, शशिकांत भगत, अभिषेक पाठक ,नीरज अग्रवाल, रोहित कुशवाहा ,धीरज अग्रवाल, दीपक कुशवाहा, सूरज कुशवाहा, साहिल, पीयूष कुशवाहा व अन्य सक्रिय हैं।

जगन्नाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई गई उत्कल दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल के जगन्नाथ मंदिर में समाज के

सदस्यों द्वारा उड़ीसा की स्थापना दिवस 1 अप्रैल के अवसर पर उत्कल दिवस मनाया गया। श्री जगन्नाथ प्रभु के पास दीप प्रज्वलित कर सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ राजकीय गीत के साथ सुभद्रा ग्ररुप के माताओं द्वारा उड़ीसा की राजकीय गीत उत्कल जननी से शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेनापति प्रधान द्वारा उत्कल दिवस और अपनी संस्कृति मंदिर की रखरखाव को लेकर के अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में शोभा बढ़ाते हुए बच्चों द्वारा डांस, स्पीच और समाज के महिलाओं द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन सचिव सूरज कुमार सेठी ने किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों और माताओं को कमेटी द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक अशोक स्वाई, शितीकान्त स्वाई, संजय पंडा, सुदर्शन सेठी, ऋनाथ देहुरी, प्रफुल्ल नायक, बूनू स्वाई, विद्याधर साहू, प्रमोद कहर, संतोष सेठी, अलंकार नायक, स्वामी कुमार, आनंद नाहक, बबलू, दीप्ति स्वाई, गीतांजलि स्वाई, मीरा महापात्र, ममता सेठी, छंदाश्री, मंजू स्वाई, गीता त्रिपाठी व अन्य उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर कोयलांचल में आस्था का सैलाब, 101 फीट ऊंचा श्रीराम टॉवर बना आस्था का नया प्रतीक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल बिश्रामपुर में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव आस्था, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में घंटों-घड़ियालों की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया था। दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, पार्वतीपुर समेत अन्य हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं, जहां दर्शन-पूजन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा।

इस आयोजन की शुरुआत एक दिन पहले बुधवार से ही हो गई थी, जब दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हुआ। दूसरे दिन गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ इसका समापन हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। गुरुवार को निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंदिर परिसर में हनुमान जी का सहस्त्रार्चन पूजन, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और भव्य आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। सभी धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पंडित बालकिशुन गर्ग के सानिध्य में विधिवत संपन्न हुए। पूजा-अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सर्व हिन्दू समाज के तत्वावधान में एसईसीएल महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 101 फीट ऊंचे श्रीराम टॉवर एवं धर्मध्वजा स्थापना का आयोजन किया गया। यह आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए आकर्षण और गर्व का केंद्र बन गया। यहां पर कार्यक्रम की शुरुआत बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन प्रांगण से निकाली गई विशाल रैली से हुई। भगवा ध्वज, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के साथ निकली यह रैली मुख्य बाजार से होते हुए दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पहुंची। रास्ते भर श्रद्धालु जय श्रीराम और हनुमान जी महाराज की जय के जयघोष करते रहे, जिससे पूरा शहर भक्तिरस में डूब गया। मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद रैली पुनः श्रीराम टॉवर स्थल पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ धर्मध्वजा स्थापित की गई। इसके पश्चात हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्व हिन्दू समाज, मंदिर समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन की तैयारियां पिछले एक माह से लगातार चल रही थीं। श्रद्धालुओं ने 101 फीट ऊंचे श्रीराम टॉवर को कोयलांचल बिश्रामपुर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इस टॉवर में लगाए गए लाउडस्पीकरों के माध्यम से प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल हनुमान चालीसा एवं भजनों का प्रसारण किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को नियमित रूप से भक्ति और आध्यात्मिकता से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

ई-ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में ई-ऑफिस के सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण में जिले के सभी विभागों एवं कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली, ई-एचआरएमएस और स्पैरो पोर्टल से संबंधित बारीकियों की जानकारी दी गई।

राज्य शासन के निर्देशानुसार ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। राज्य स्तर से मास्टर ट्रेनर ने वर्चुअल रूप से ई-ऑफिस के संचालन की तकनीकी बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ई-ऑफिस का परिचय एवं उपयोग, दस्तावेज तैयार करना, अनुमोदन प्रक्रिया और फाइल ट्रैकिंग, सुरक्षा उपाय एवं गोपनीयता ई-एचआरएमएस प्रणाली के तहत अवकाश आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। स्पैरो पोर्टल के माध्यम से वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन की प्रविष्टि और मूल्यांकन प्रक्रिया, अचल संपत्ति विवरण प्रस्तुत करने के संबंध में विस्तार से बताया गया। साथ ही कार्यालयीन प्रक्रियाओं को डिजिटल, पारदर्शी, त्वरित बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व पखवाड़ा से आमजनों के समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 1 अप्रैल 2026 से राजस्व पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया है जिले में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले के तहसीलों के ग्रामों में निर्धारित तिथियों के अनुसार राजस्व पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जहां अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन जैसे मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में राजस्व पखवाड़ा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु ग्रामों में मुनादी कर आमजनों को राजस्व पखवाड़ा की जानकारी दी गई, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण शिविर स्थलों पर पहुंच कर राजस्व समस्याएं संबंधित आवेदन दे रहे है।

राजस्व पखवाड़ा के प्रथम दिवस तहसील बलरामपुर, डौरा-कोचली, राजपुर, शंकरगढ़, कुसमी, सामरी, चांदो, रामानजुगंज, रामचंद्रपुर, वाड्रफनगर, रघुनाथनगर एवं चलगली के अंतर्गत ग्रामों में शिविर आयोजित किया गया। शिविरों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी समस्याएं संबंधित आवेदन दिया। जहां कुल 725 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 411 आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया गया। शेष 314 आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

शिविर में पहले दिन ग्रामीणों के द्वारा विभिन्न आवेदन प्रस्तुत किए जिसके अंतर्गत अविवादित नामांतरण 163, अविवादित बंटवारा 19, विवादित नामांतरण 6, विवादित बंटवारा 2, किसान किताब 19, सीमांकन के 15, त्रुटि सुधार के 27, नक्शा बटांकन के 13, आरबीसी 6-4 के 2, आय प्रमाण पत्र के 113, जाति प्रमाण पत्र के 102, निवास के 112, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र 28, अन्य संबंधित 104 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से अधिकांश आवेदनों का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया। राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित पखवाड़े से आमजनों को काफी राहत मिल रही है। उन्हें अब छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं तथा शिविरों में आने वाले प्रत्येक आवेदक की समस्या का संवेदनशीलता एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने को कहा है ताकि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता को त्वरित लाभ मिल सके।

वन भूमि पर अवैध कब्जा व कटाई के खिलाफ आदिवासी समाज ने सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने शंकरगढ़ विकासखंड के बेलकोना में वन भूमि पर अवैध कब्जा और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजुर के नेतृत्व में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, रायपुर, वन मंत्री, सीसीएफ एनजीटी, को शिकायत पत्र सौंपते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में बताया गया है कि ग्राम पंचायत बेलकोना, पारा महुआ, कठरा, हरिनलेटा और हड़हा पहाड़ क्षेत्र की हजारों एकड़ वन भूमि में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कराई गई है और ग्रामीणों को कब्जा दिलाया जा रहा है। आरोप है कि इस पूरे प्रकरण में वनरक्षक, बीट फॉरेस्ट अधिकारी और डिप्टी रेंजर स्तर के अधिकारी शामिल हैं, जिनकी मिलीभगत से जंगलों का दोहन हो रहा है।

आदिवासी समाज का कहना है कि वर्ष 2024 से 2026 तक पदस्थ रहे संबंधित अधिकारियों द्वारा लगातार वन संसाधनों का दुरुपयोग किया गया है। इस

दौरान बड़े पैमाने पर इमारती लकड़ी की अवैध बिक्री भी किए जाने का आरोप लगाया गया है। यह न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि वन संरक्षण अधिनियम 1980 और वन अधिकार अधिनियम 2006 का उल्लंघन भी है।

ग्रामीणों द्वारा 22 मार्च को इस मामले की जानकारी दिए जाने के बाद पंचायत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर सहित शिकायत तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी गई। समाज का आरोप है कि

मुख्य मांगः
दोषी वनरक्षक, फॉरेस्ट गार्ड और डिप्टी रेंजर को तत्काल निलंबित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। अवैध कब्जे वाली वन भूमि को कब्जा मुक्त कराया जाए और कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। हुए नुकसान की भरपाई संबंधित अधिकारियों से कराई जाए। दोषियों के खिलाफ बर्खास्तगी और जेल सहित कड़ी कार्रवाई हो। संबंधित अधिकारियों की संपत्ति की जांच कर आवश्यकतानुसार कुर्की की जाए। आदिवासी समाज ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल, वन विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

इन गतिविधियों से स्थानीय लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है और प्राकृतिक संतुलन पर भी खतरा मंडरा रहा है।

नगरपालिका टैंकर बिक्री में गंभीर अनियमितता का आरोप

बलरामपुर। नगर पालिका परिषद में शासकीय संपत्ति के कथित दुरुपयोग और अनियमित तरीके से विक्रय का एक गंभीर मामला आया है। वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद गौतम सिंह ने इस संबंध में सिटी कोतवाली थाना बलरामपुर को एक विस्तृत लिखित शिकायत सौंपते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पार्षद गौतम सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि नगर पालिका परिषद में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा नगरपालिका के एक टैंकर को बिना निर्धारित शासकीय नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किए बिना बेच दिया गया है। उन्होंने इस कार्रवाई को न केवल नियमों के विरुद्ध बताया, बल्कि इसे सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग और संभावित भ्रष्टाचार का मामला भी बताया

है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी शासकीय संपत्ति के विक्रय हेतु स्पष्ट नियम निर्धारित होते हैं, जिनके अंतर्गत नगर परिषद की स्वीकृति लेना, खुली निविदा प्रक्रिया अपनाना, पारदर्शिता बनाए रखना तथा समस्त प्रक्रिया का विधिवत अभिलेखीकरण करना अनिवार्य होता है। इन सभी प्रक्रियाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सार्वजनिक संपत्ति का उपयोग और विक्रय जनहित में तथा पूर्ण पारदर्शिता के साथ हो। हालांकि, आरोप है कि इस पूरे मामले में इन अनिवार्य प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए सीधे तौर पर टैंकर का विक्रय कर दिया गया, जिससे न केवल नियमों का उल्लंघन हुआ है बल्कि शासन को आर्थिक क्षति होने की भी आशंका जताई जा रही है। पार्षद ने इसे प्रथम दृष्टया गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला बताया है। गौतम सिंह ने अपने आवेदन में पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले की गहन और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संयुक्त कलेक्टर ने ली शिक्षा समीक्षा बैठक, विद्यालय का किया निरीक्षण

अपार आईडी, बायोमेट्रिक्स और स्कूल ग्रांट पर मिले कड़े निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन

भैयाथान। संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में विकास खंड भैयाथान के संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक का समीक्षा बैठक जनपद सभा कक्ष में संपन्न हुआ। संकुलवार अपार आई डी एवं बायोमैट्रिक्स आधार अपडेशन की समीक्षा की गई अपार में कम प्रगति वाले 13 संकुल दर्रिपारा, भटगांव 1, अधीना सलका, कसकेला, बतसरा 1, बंजा 03, भैयाथान, सोनपुर1, समौली, शिवप्रसादनगर, बैजनाथपुर 1, लक्ष्मीपुर, केवरा, बंजा1 के सीआरसी सीएसी से अपार की अधिक पेंडेंसी पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा उन्होंने कहा एक सप्ताह में यदि प्रगति नहीं लाया गया तो कार्यवाही की जाएगी। आधार बायोमैट्रिक्स अपडेशन को संस्था प्रमुखों को आज ही बैलिडेट करने के निर्देश दिए गए। स्कूल ग्रांट राशि का सदुपयोग छात्र हित में हो इसका मॉनिटरिंग संकुल स्तर में किया जाए। परीक्षा संपन्न होने के पश्चात रेमेडियल टीचिंग करने का भी निर्देश दिया गया। इसके पश्चात पीएम श्री सेजस विद्यालय बतरा का निरीक्षण ज्वाइंट कलेक्टर महोदय के द्वारा किया गया 24 बिंदुओं पर निरीक्षण कर आवश्यक सुधार का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा सूरजपुर मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी भैयाथान फुल साय मरावी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह एवं बीआरसी सुरेंद्र दुबे विकासखंड के सभी संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक उपस्थित थे।

आवास योजना घोटाले में मचा हड़कंप, रिपोर्ट के बाद प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

खबर का असर

आवास योजना में गड़बड़ी और राशि गबन को लेकर सामने आई खबर

छ.ग. फ्रंटलाइन

भटगांव। क्षेत्र में उठाई गई खबर का सीधा असर अब ज़मीन पर दिखाई देने लगा है। आवास योजना में गड़बड़ी और राशि गबन को लेकर सामने आई खबर के बाद प्रशासन ने तेजी दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जांच रिपोर्ट जारी होते ही पूरे जनपद में हड़कंप मच गया है और दोषी रोजगार सहायक पर वसूली के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ग्राम पंचायत करकोली नया की महिला द्वारा

रोजगार सहायक पर आवास योजना की राशि हड़पने का आरोप, शिकायत के बाद परिवार को धमकी

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। जिले के भैयाथान क्षेत्र से धोखाधड़ी और धमकी का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम नया करकोली की एक महिला ने पूर्व रोजगार सहायक पर प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि हड़पने और बैंक खाते से पैसे निकालने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि रोजगार सहायक ने केवाईसी कराने के नाम पर बैंक खाते से छेड़छाड़ की और आवास योजना के तहत मिली राशि निकाल ली। इसके साथ ही खाते में जमा निजी रकम भी निकालने का आरोप लगाया गया है। विभागीय जांच के दौरान जब आवास के स्थिति की जानकारी ली गई, तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। बैंक स्टेटमेंट जांचने पर कथित रूप से अनियमित लेनदेन सामने आए हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी पक्ष ने घर पहुंचकर गाली-गलौज की और केस वापस लेने का दबाव बनाया। साथ ही जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।पीड़ित परिवार ने पुलिस और प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, निकाली गई राशि वापस दिलाने और परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

जांच में जुटी पुलिस-पुलिस मामले में शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश है। इनके द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की जा रही है।

की गई शिकायत और इस मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर जनदर्शन में मामला पहुंचने के साथ ही जांच बैठाई गई, जिसकी रिपोर्ट आते ही घोटाले की परतें खुल गईं। साफ है कि खबर के कारण ही यह मामला दबने के बजाय निर्णायक मोड़ तक पहुंचा। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि पूर्व रोजगार सहायक ने हितग्राही के नाम पर स्वीकृत आवास को खुद के उपयोग में ले लिया। इतना ही नहीं, केवाईसी अपडेट के नाम पर बैंक खातों से छेड़छाड़ कर योजना की राशि को इधर-उधर ट्रांसफर किया गया। दो हितग्राहियों की आवास योजना की करीब 2.40 लाख रुपये और मनरेगा मद की 46,862 रुपये की राशि का दुरुपयोग सामने आया है। खबर के बाद यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा और आक्रोश का विषय बन गया है। खबर के बाद बढ़े दबाव और जांच निष्कर्षों के आधार पर जनपद पंचायत भैयाथान ने संबंधित रोजगार सहायक के खिलाफ वसूली के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही उसे वसूली पूर्ण होने तक कार्यालय में संलग्न रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। जांच प्रतिवेदन कलेक्टर सूरजपुर को सौंप दिया गया है। माना जा रहा है कि खबर और जांच के आधार पर आने वाले समय में और भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद ग्रामीणों में यह संदेश गया है कि खबर उठने से ही न्याय की प्रक्रिया तेज हुई है। लोगों ने दोषी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग और तेज कर दी है। यह मामला साफ तौर पर दर्शाता है कि जब मुद्दे को मजबूती से उठाया जाता है, तो प्रशासन को कार्रवाई करनी ही पड़ती है। इस पूरे घटनाक्रम में खबर का असर साफ नजर आ रहा है।

नवा तरिया आय के जरिया से महिला समूहों को मिलेगा आजीविका का नया आधार

छ.ग. फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के अंतर्गत 'नवा तरिया आय के जरिया' पहल का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य वर्षा जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देना तथा महिला समूहों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों एवं महिला समूहों को नवीन तालाब (नवा तरिया) निर्माण के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही ग्राम स्तर पर उपयुक्त स्थलों का चयन कर उससे संबंधित आजीविका आधारित कार्य योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

यह कार्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत अंबिकापुर के ग्राम पंचायत नवाबांध में जिला स्तरीय टीम एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा नवा तरिया हेतु स्थल चिन्हांकन किया गया। इस दौरान स्वच्छता समूह की महिलाओं को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया। नवीन तालाबों के माध्यम से महिला समूहों को मत्स्य पालन, फूलों की खेती एवं सब्जी उत्पादन जैसे आजीविका के साधनों से जोड़ा जाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही जल संरक्षण से संबंधित संरचनाएं जैसे कंटूर ट्रेंच, गेबियन, बोल्डर चेक डेम आदि के निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0
रा0प्र0क्र0 /अ - 6/2025 26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूनित किया जाता है कि आवेदक रगन कुमार अग्रवाल आ0 जगदीश राय अग्रवाल, उम्र-54 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी विवेकानंद वार्ड राह बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, मुख्तार आम वास्ते पवन कुमार अग्रवाल या जगदीश राय अग्रवाल, आआ 57 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी 157 ब्लाक जी न्यू अलीपुर कोलकाता पश्चिम बंगाल के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक श्री टी0एस0 सिंह देव आ.स्व. एम0एस0 सिंह देव, उम्र 67 वर्ष, जाति क्षत्रिय निवासी कोठीधर अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09 मोहल्ला बाबुमारा (गौलवीबाध) नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्र. 3467/4866/1 में से रकबा 41.30 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र विलेख दिनांक 31/10/2019 का निष्पादन आवेदक के पास किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त क्रयशुदा भाग के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र विलेख की छायाप्रति गय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दवा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/03 2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा0प्र 0क्र0/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

तद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक कैलाश कुमार आप रामेश्वर प्रसाद बुधिया, निवासी सदर रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर-08 मोहल्ला सदर रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2573/4 2574/4 रकबा 0.063/4, 0.011/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2020 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था की कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा0प्र 0क्र0/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती अलका बुधिया पति कैलाश कुमार बुधिया निवात्ती सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्य एवं आधिपत्य की शीट नम्बर-08 मोहल्ला न्यू महामाया रोड़ नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2587. 2588, 2589 रकबा 0.03 0.01, 0.03 एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त रही है। आवेदिका द्वारा उक्त भूमि लीज लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक 20/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त करवाने वाले शहीद वीर जवानों के लिए श्रद्धांजलि, दीपदान कार्यक्रम आयोजित

छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। छत्तीसगढ़ के नक्सल मुक्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में रामानुजनगर ब्लॉक मुख्यालय में श्रद्धांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता शशांक दुबे के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने देश की सुरक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दीप प्रज्वलित कर शहीदों के बलिदान को नमन किया तथा उनके अदम्य साहस और देशभक्ति को स्मरण किया। इस दौरान शशांक दुबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ का नक्सल मुक्त होना प्रदेश के लिए एक

ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो हमारे सुरक्षाबलों के साहस, समर्पण और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देशहित और समाज सेवा के कार्यों में आगे बढ़कर योगदान दें। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर अंचल का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर, जो कभी नक्सल गतिविधियों के कारण देशभर में चर्चा का विषय रहा, आज शांति, विकास और विश्वास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और संसाधनों से परिपूर्ण यह क्षेत्र अब शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। शासन-प्रशासन एवं सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से वहां के जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शहीदों के बलिदान को सदैव स्मरण रखने तथा प्रदेश के विकास और शांति बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह राजपूत, आशीष साहू, कलेश्वर सिंह, आशीष सिंह व बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संगठन सशक्तिकरण एवं बूथगठन को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक

छ.ग. फ्रंटलाइन

भैयाथान। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान द्वारा संगठन सशक्तिकरण एवं बूथ गठन को लेकर एक प्रभावशाली बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह ने किया। बैठक में बूथ स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा करने, समर्पित कार्यकर्ताओं की नियुक्ति

सुनिश्चित करने एवं कांग्रेस पार्टी की जमीनी पकड़ को और सुदृढ़ बनाने पर गंभीर और सार्थक चर्चा हुई। साथ ही आगामी रणनीतियों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए गए। बैठक में आगामी तीन दिवस के भीतर सभी बूथों का गठन पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही प्रत्येक कार्यकर्ता से अपील की गई कि वे स्थानीय स्तर पर जनसमस्याओं को गंभीरता से लें और उन्हें संगठित एवं सशक्त रूप से प्रशासन के समक्ष रखें। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी अजय प्रताप सिंह, नूर आलम, राजू गुप्ता, उमा साहू, किशन गोयल, शशिकला, राधा देवी, विष्णु गुप्ता, राजमोहन राजवाड़े, राहुल सिंह, पार्थ सिंह, आशीष सिंह, शांतनु सिंह, अजय यादव, दिलीप जायसवाल, देव सैनी, पंकज कुशवाहा, अरुण ठाकुर, सियाराम यादव, कृष्ण कुमार यादव, अतुल पाटिल, कौशल राजवाड़े, गोलू मानिकपुरी, सूरजलाल, विवेक सिंह, अभिषेक कुशवाहा, प्रांजल, आकाश, ओमप्रकाश, नीरज सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक संस्थाओं व स्थानीय निकायों से स्माइल योजना का प्रस्ताव आमंत्रित

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर 02 अप्रैल 2026/ समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर पड़े व्यक्तियों को सहायता योजनांतर्गत भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का व्यापक पुनर्वास कार्यक्रम का जिले में संचालन हेतु मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संस्था/स्थानीय निकायों जिनका कम से कम 2 वर्ष का कार्य का अनुभव हो, से प्रस्ताव आमंत्रित किया जा रहा है। इच्छुक विभागीय मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संस्था/स्थानीय निकाय अपना प्रस्ताव बंद लिफाफे में जिला कार्यालय समाज कल्याण, कलेक्ट्रेट परिसर अंबिकापुर को 16 अप्रैल 2026 को सायं 05:30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

सम्पादकीय

जल, जंगल व जमीन की सुरक्षा होगी और बेहतर

देश के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक 'लाल आतंक' के नाम से पहचाने जाने वाला नक्सलवाद अब खत्म हो चुका है। नक्सवादियों के सभी बड़े नेता या तो मारे जा चुके हैं, या उन्होंने इस विचारधारा को छोड़कर सरेंडर कर दिया है। अब जल, जंगल और जमीन की और बेहतर सुरक्षा हो सकेगी। नक्सलवाद का खात्मा सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। अब ऐसे क्षेत्रों में विकास के नए द्वार खुलेंगे, जहां लाल आतंक से लोग त्रस्त थे। इन क्षेत्रों में अब शिक्षा का स्तर सुधरेगा, बच्चों की खेलों में गतिविधियां बढ़ेंगी और सामाजिक तथा आधारभूत ढांचे का विकास होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, 31 मार्च 2026 की निर्धारित समयसीमा से पहले ही भारत से नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है। यदि यह दावा जमीनी हकीकत से मेल खाता है, तो यह केवल सुरक्षा की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिहाज से भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुई थी। यह आंदोलन मूलतः जल, जंगल और जमीन पर अधिकार की मांग से जुड़ा था, जिसमें आदिवासी और वंचित वर्गों की आवाज शामिल थी। समय के साथ यह आंदोलन हिंसक रूप लेता गया और देश के कई हिस्सों में सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन गया। रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में वर्षों तक विकास की रफ्तार थमी रही और आम जनजीवन भय के साए में रहा। हाल के वर्षों में सरकार द्वारा अपनाई गई बहुआयामी रणनीति ने इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई है। होल ऑफ गवर्नमेंट दृष्टिकोण के तहत सुरक्षा, विकास और विश्वास तीनों मोर्चों पर एक साथ काम किया गया। सुरक्षा बलों के आक्रामक अभियानों के साथ-साथ सड़क, संचार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया गया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, बिहार के साथ आंध्र प्रदेश (सीमावर्ती इलाके), केरल, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो इस बदलाव का संकेत है। हालांकि, इस उपलब्धि को अंतिम समाधान मान लेना जल्दबाजी होगी। इतिहास बताता है कि किसी भी विचारधारा को केवल सैन्य कार्रवाई से पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता, जब तक उसके मूल कारणों को संबोधित न किया जाए। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या जल, जंगल और जमीन से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान हो पाया है? क्या आदिवासी समुदायों को उनके अधिकार पूरी तरह मिल रहे हैं? क्या विकास की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की गई है? यदि इन सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं हैं, तो नक्सलवाद भले ही समाप्त हो जाए, लेकिन असंतोष की नई जमीन तैयार हो सकती है। सरकार के सामने अब असली चुनौती "पोस्ट-नक्सल" दौर को संभालने की है। जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी, वहां अब स्कूलों की घंटियां, खेल के मैदानों की चहल-पहल और रोजगार के अवसरों की उम्मीद सुनाई देनी चाहिए। स्थानीय समुदायों का विश्वास जीतना सबसे बड़ी कुंजी है। यदि उन्हें लगे कि उनकी आवाज सुनी जा रही है और उनके संसाधनों पर उनका अधिकार सुरक्षित है, तभी यह बदलाव स्थायी हो सकेगा। नक्सलवाद के खत्म होने को एक नए भारत की शुरुआत के रूप में देखना चाहिए। जहां सुरक्षा के साथ-साथ न्याय और समानता भी सुनिश्चित हो।

आर्थिकी

सतीश सिंह

भारत ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन के बाद 2016 में एफआईटी ढांचे को अपनाया था। फिलहाल, दुनिया के 3 विकसित देशों सहित 26 देशों ने इस व्यवस्था को अपनाया है। इस संकल्पना में मूल्य स्थिरता को मौद्रिक नीति का प्राथमिक उद्देश्य बताया गया है। मौजूदा परिदृश्य में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महंगाई सरकार द्वारा निर्धारित 4% से 2% अधिक या 2% कम के दायरे को आगामी महीनों में पार कर सकती है और इसकी वजह से रिजर्व बैंक को नीतिगत दरों में इजाफा करना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में कमी आ सकती है साथ ही साथ देश की विकास गति भी अवरुद्ध हो सकती है।

महंगाई के बेकाबू होने के आसार

ईरान के अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे संघर्ष के बावजूद सरकार ने 25 मार्च को तय किया कि महंगाई की सीमा 4% से 2% अधिक या 2% कम रहेगी। हालांकि, मौजूदा परिदृश्य में इस लक्ष्य को हासिल करना सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बहरहाल, यह अधिसूचना, अर्थात लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (एफआईटी) ढांचा, 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक प्रभावी रहेगा। उल्लेखनीय है कि इस ढांचे को 1 अक्टूबर 2016 में लागू किया गया था। इस ढांचे की हर 5 वर्षों में समीक्षा की जाती है।

पिछली बार इसे मार्च 2021 से मार्च 2026 तक के लिए लागू किया गया था। भारत ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन के बाद 2016 में एफआईटी ढांचे को अपनाया था। फिलहाल, दुनिया के 3 विकसित देशों सहित 26 देशों ने इस व्यवस्था को अपनाया है। इस संकल्पना में मूल्य स्थिरता को मौद्रिक नीति का प्राथमिक उद्देश्य बताया गया है। साथ ही, इस व्यवस्था के अंतर्गत मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की स्थापना की गई थी, जिसमें रिजर्व बैंक के तीन अधिकारी और तीन बाहरी सदस्य होते हैं और मौद्रिक नीति की ब्याज दर को मतदान के बहुमत से तय करते हैं। तत्पश्चात, रिजर्व बैंक मौद्रिक समीक्षा के फैसले की घोषणा करता है। महंगाई का स्तर मांग और आपूर्ति के संतुलन पर निर्भर करता है। जब लोगों के पास अधिक पैसा होता है तो वे अधिक वस्तुएं खरीदते हैं, जिससे मांग बढ़ती है। यदि आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं है तो कीमतें बढ़ेंगी। इसके विपरीत, जब मांग कम होती है और आपूर्ति अधिक होती है तो महंगाई घट जाती है। वर्तमान में युद्ध के कारण, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें तेज़ी से बढ़ रही हैं, जिसके कारण भारत में भी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इनकी कीमतों में और वृद्धि हो सकती है क्योंकि भारत अपने आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा रूस, इराक, सऊदी अरब, अमेरिका, यूएई, कतर, रूस, ऑस्ट्रेलिया आदि से आयात करता है और वर्तमान में इन देशों से भारत में आपूर्ति सामान्य नहीं है। सरकार और रिजर्व बैंक ने महंगाई की निर्धारित सीमा को बनाए रखने का निर्णय लिया है। यह मानते हुए कि आधार वर्ष में बदलाव से इस सीमा पर कोई दबाव नहीं पड़ेगा और यह निर्धारित स्तर पर कायम रहेगी। 12 फरवरी से सरकार ने महंगाई का मापन आधार वर्ष 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है। इस नए आधार वर्ष में कई पुरानी वस्तुओं को उनकी अप्रासंगिकता के कारण हटा दिया गया है, और नई वस्तुओं को जोड़ा गया है। साथ ही, खाद्य वस्तुओं का भार घटाया गया है और कुछ गैर-खाद्य वस्तुओं का भार जोड़ दिया गया है, जिनका आमतौर पर महंगाई पर प्रभाव पड़ता है। अभी सामान्यतः महंगाई में वृद्धि का कारण खाद्य कीमतों का बढ़ना माना जाता है, लेकिन नए आधार में खाद्य पदार्थों का भार महंगाई के मामले में कम कर दिया गया है। इसलिए, यह माना जा रहा है कि लंबे समय तक युद्ध के चलते महंगाई सरकार द्वारा निर्धारित सीमा 4% से 2% अधिक या 2% कम के स्तर पर अक्षुण्ण बनी रहेगी। मुद्रास्फीति को मापने के लिए ऐसी वस्तुएं और सेवाएं चुनी जाती हैं, जो इसकी वृद्धि में सबसे अधिक योगदान देती हैं। इन वस्तुओं को

उनके महत्व के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में वज़न दिया जाता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) हर माह खुदरा महंगाई का आकलन सीपीआई सूचकांक से करता है, जिसमें वे वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, जिनका रोज़मर्रा के जीवन में अधिक उपयोग होता है, जैसे कि खाद्य, वस्त्र, आवास, ईंधन और स्वास्थ्य सेवाएं।

नए आधार वर्ष के अंतर्गत ऐसी वस्तुएं और सेवाएं भी जोड़ी गई हैं, जिन पर अब लोग अधिक खर्च कर रहे हैं, जैसे कि स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट, ईयरफोन, फिटनेस बैंड जैसे उपकरण हमारे जीवन का हिस्सा बन गए हैं, जबकि पहले इनका उपयोग सीमित था। साथ ही, अब नेटफ्लिक्स, जियो हॉटस्टार, प्राइम वीडियो जैसी ओटीटी सेवाएं, ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म, हवाई टिकट, ऐप आधारित टैक्सी सेवाएं, ऑनलाइन सेवाएं, शॉपिंग की कीमतें, और ग्रामीण इलाकों में मकान के किराए को भी सूचकांक में शामिल किया गया है। अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के बाद भारत में नायरा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर वृद्धि की है। वहीं, होटल-रेस्टोरेंट ग्राहक से सरकारी टैक्स के साथ एलपीजी चार्ज भी वसूल कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस पर रोक लगाई है, लेकिन जमीनी स्तर पर इस रोक का कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपये की कटौती की है। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल पर 10 रुपये से शून्य कर दी गई है, ताकि पेट्रोल और डीजल की कीमतें न बढ़ें।

अमेरिका और इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपये प्रति लीटर तक घाटा हो रहा है, जिसे तेल कम्पनियां जल्द ही आमजन पर डाल देंगी। आमतौर पर जब तेल की कीमत बढ़ती है तो परिवहन की लागत बढ़ती है, साथ ही वस्तुओं की कीमत में भी इजाफा होता है। हालांकि, जानकारों के अनुसार सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कटौती केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में आगामी चुनावों के मद्देनजर ली गई है और चुनाव के खत्म होने के तुरंत बाद सरकार एक्साइज ड्यूटी में कटौती को वापस ले सकती है। ईरान, इज़राइल और अमेरिका के मौजूदा रुख से ऐसा लगता है कि हाल फिलहाल में यह जंग रुकने वाली नहीं है और लंबे समय तक इस युद्ध के जारी रहने पर कच्चे तेल के साथ-साथ कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति शृंखला भी बाधित हो सकती है। उल्लेखनीय है कि भारत दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाली कई वस्तुओं का आयात दूसरे देशों से करता है, इसलिए नए आधार वर्ष में महंगाई की गणना करने वाली वस्तुओं में बदलाव करने के बाद भी महंगाई में अभूतपूर्व इजाफा होने की संभावना है। एक अनुमान के अनुसार भारत में 2026 तक महंगाई दर बढ़कर 4.6% तक पहुँच सकता है, जो पहले 3.9% के आसपास रहने की उम्मीद थी।

यह भारतीय रिजर्व बैंक की स्वीकार्य सीमा के अंदर है, लेकिन रुपया के लगातार कमज़ोर होने से महंगाई पर दबाव और भी बढ़ सकता है। मौजूदा परिदृश्य में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महंगाई सरकार द्वारा निर्धारित 4% से 2% अधिक या 2% कम के दायरे को आगामी महीनों में पार कर सकती है और इसकी वजह से रिजर्व बैंक को नीतिगत दरों में इजाफा करना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में कमी आ सकती है साथ ही साथ देश की विकास गति भी अवरुद्ध हो सकती है।

(लेखक एसबीआई में एजीएम हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नई दिशा

ममता कुशवाहा

डिजिटल युग में जनगणना बदलाव की बुनियाद

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को समझने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना, जो विभिन्न कारणों से विलंबित रही, अब एक नए स्वरूप में आरंभ होने जा रही है। यह जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, बल्कि इसलिए भी कि इसमें पहली बार जातीय आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाएगा। यह पहल भारत के प्रशासनिक ढांचे, नीति-निर्माण और सामाजिक समझ को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है। डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और सटीकता में निहित है। पारंपरिक कागज-आधारित प्रणाली में जहां आंकड़ों के संग्रह, संकलन और विश्लेषण में वर्षों लग जाते थे, वहीं डिजिटल माध्यम इस पूरी प्रक्रिया को कहीं अधिक त्वरित और त्रुटिहीन बना सकता है। मोबाइल एप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से डेटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा, जिससे मानवीय भूलों की संभावना न्यूनतम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली पारदर्शिता को भी बढ़ाएगी और डेटा के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करेगी। इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

यह न केवल नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रशासनिक बोझ को भी कम करेगा। हालांकि, इसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। लोगों को अपनी जानकारी पूरी ईमानदारी और सावधानी से भरनी होगी, क्योंकि यह डेटा न केवल वर्तमान नीतियों के निर्माण में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी बनेगा। जनगणना आयुक्त द्वारा दी गई गोपनीयता की गारंटी इस प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करती है, जिससे लोग बिना किसी भय के अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे। जनगणना को दो चरणों में पूरा करने का निर्णय भी एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले चरण में घरों की सूचीकरण और आवास से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलुओं का विवरण लिया जाएगा। यह विभाजन न केवल प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाएगा, बल्कि डेटा के विश्लेषण को भी अधिक सटीक और उपयोगी बनाएगा। इससे सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास। इस जनगणना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू जातीय आंकड़ों का संकलन है। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा, जब जातियों का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इससे देश की सामाजिक संरचना की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, जो अब तक केवल अनुमान और अधूरी जानकारी पर आधारित रही है। वर्ष 1931 के बाद से जातिगत जनगणना नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान में विभिन्न जातीय समूहों के संख्याबल और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में स्पष्ट और प्रमाणिक आंकड़ों का अभाव है। ऐसे में यह जनगणना कई मिथकों और धारणाओं को तोड़ने का कार्य कर सकती है। हालांकि, जातीय जनगणना के साथ कुछ चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी आशंका यह है कि इन आंकड़ों का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा सकता है।

भारत में पहले से ही जाति आधारित राजनीति का प्रभाव देखा गया है और यदि इन आंकड़ों का दुरुपयोग हुआ तो यह सामाजिक विभाजन को और गहरा कर सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार इन आंकड़ों की व्याख्या कर सकते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार इस दिशा में ठोस नीतिगत उपाय करे, ताकि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग केवल विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाए। जनगणना का मूल उद्देश्य देश की जनसंख्या की संरचना, उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझना है, ताकि प्रभावी नीतियां बनाई जा सकें। यह किसी भी प्रकार के संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन नहीं होना चाहिए। यदि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिशा में सरकार, प्रशासन और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे इस प्रक्रिया को सफल बनाएं और इसके उद्देश्यों को सही दिशा में ले जाएं। यदि ऐसा होता है तो यह जनगणना न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगी।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भावनाओं को साधता है योग-ध्यान

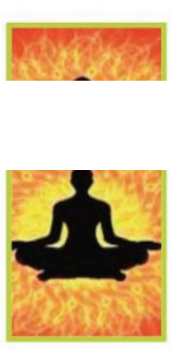

जब भी आप क्रोध जैसी किसी भी नकारात्मक भावना को रोकने का प्रयास करते हैं, तो वह और भी ज्यादा तेज हो जाती है। आप जो चीज नहीं चाहते हैं, उसे यदि आप रोकने की कोशिश करते हैं, तो ऐसा ही होता है। वस्तुतः मानव मन की यही प्रकृति है। मन को अपने अनरूप साधने की प्रणाली योग है। योग की प्रणाली अनभव के स्तर पर

अपने शरीर और मन की प्रकृति का अनुसंधान करती है। जब आप सुबह उठकर आसन करते हैं, तो आप उसे मात्र व्यायाम न समझें। वास्तव में योग यह सुनिश्चित करता है कि आप जीवन से कितनी सहजता से गुजरते हैं, आप अपने शरीर और अपने मन को कितनी गहराई से समझते हैं। यदि आप गाड़ी चलाकर कहीं जा रहे हैं तो यात्रा मंगलमय होने के लिए, दो बातें जरूरी हैं। एक तो गाड़ी का अच्छा होनी चाहिए और दूसरी आपको गाड़ी की समझ हो। आपके शरीर और मन के बारे में योग यही तो सुनिश्चित करता है। यह बड़ी व्यावहारिक बात है, यह कोई आत्मज्ञान नहीं है। अगर आप एक अज्ञानी जीवन भी जीना चाहते हैं, तब भी योग जरूरी है। जब आप आसन करते हैं तो आप अपने शरीर और मन की प्रकृति को खोजते हैं। अगर आप अपनी अंगुलियों को एक खास तरह से चलाते हैं, तो आपका मन उसके मुताबिक काम करता है। आप अपने शरीर से जो कुछ भी करते हैं, उससे आपके मन के साथ भी कुछ होता है। किताब पढ़ने से यह समझ प्राप्त नहीं होगी।

संकलित

दर्शन

ब्राह्मण का सपना

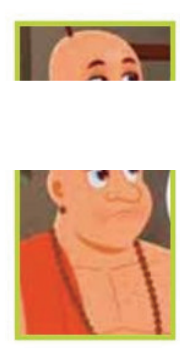

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा

तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूंगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊंगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूंगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारुंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अहमियत

भारत और अमरीका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (2026) ऐसे समय में उभरकर सामने आया है, जब भारत एक ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी को विस्तार देने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर अपनी कृषि-आधारित सामाजिक-आर्थिक संरचना की रक्षा करने की अनिवार्य चुनौती का सामना कर रहा है। फरवरी 2026 में घोषित अंतरिम रूपरेखा ने जहां भारतीय निर्यातकों के लिए अमरीकी बाजार में नए अवसरों के द्वार खोले हैं, वहीं सस्ते अमरीकी कृषि उत्पादों के संभावित आयात ने देश के करोड़ों किसानों के बीच चिंता और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। भारत को ऐसा समझौता करना चाहिए जिससे व्यापार संतुलन ठीक हो जाए। - *चंद्रशेखर शर्मा, कुरुक्षेत्र*

करंट अफेयर

'गेट ऑफ टीयर्स' बन सकता है नया वैश्विक संकट बिंदु

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर पश्चिम एशिया संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पहले से बने दबाव के बीच अब एक और अहम समुद्री मार्ग 'बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य' को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलडमरूमध्य जल्द ही एक नए वैश्विक तनाव केंद्र के रूप में उभर सकता है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। 'होर्मुज जलडमरूमध्य' दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस के परिवहन का प्रमुख मार्ग है। ईरान ने खुद पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस मार्ग को बंद कर दिया है जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। इसी बीच, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य भी संकट का केंद्र बन सकता है। दरअसल, 28 मार्च को यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। यह कदम ईरान-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार उठाया गया है। यमन, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के एक किनारे पर स्थित है और हूती पहले भी लाल सागर में जहाजों पर हमले कर चुके हैं, जिससे 2023 और 2024 में समुद्री यातायात बाधित हुआ था।

ऑफ बीट

रंगीन चावल क्या वास्तव में स्वास्थ्यवर्धक हैं

चावल की 40,000 से अधिक विभिन्न किस्में हैं - जो इस मुख्य फसल की विविधता और अनुकूलनशीलता का प्रमाण है। चावल, अन्य अनाजों की तरह, एक घास के पौधे का खाने योग्य स्टार्चयुक्त दाना है।सफेद चावल की तुलना में, भूरा चावल एक साबुत अनाज है जिसमें केवल अखाद्य बाहरी छिलका हटा दिया जाता है। सफेद चावल बनाने के लिए अनाज का चोकर (बाहरी आवरण) हटा दिया जाता है। भूरे चावल में, चोकर और मगज़ (अनाज का मूल) बरकरार रहते हैं, जिससे इस प्रकार के चावल को इसका भूरा रंग और उच्च फाइबर सामग्री मिलती है। भूरे चावल में स्वाभाविक रूप से सफेद चावल की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं, जिसमें आहार फाइबर की दोगुनी मात्रा और फोलिक एसिड सहित काफी अधिक मैग्नीशियम, लौह, जस्ता और बी समूह विटामिन शामिल हैं। ब्राउन राइस में पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनोइड्स भी होते हैं, यह ऐसे एंटीऑक्सिडेंट हैं, जो शरीर को तनाव से बचाते हैं। इसे अक्सर लंबे अनाज के विकल्प के रूप में बेचा जाता है और इसमें काले और लाल चावल की किस्मों के समान पौष्टिक स्वाद होता है, हालांकि कुछ रसोइयों का सुझाव है कि इसकी बनावट थोड़ी अलग होती फैंसी काला चावल।

ट्रेंड

सेमीकंडक्टर उद्योग

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विभिन्न राज्यों में फल-फूल रहा है, जिससे अनगिनत युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन प्रयासों को और अधिक व्यापक बनाने के लिए हम सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 पर काम कर रहे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

केरल की नर्सें

लाखों लोगों के लिए, केरल की नर्सें जीवन के सबसे कठिन क्षणों में सहारा और शक्ति का स्रोत हैं। उन्हीं की बदौलत मैं केरल में शांति से चुनाव प्रचार कर पा रहा हूं, यह जानकर कि दिल्ली में मेरी मां की देखभाल उन्हीं की देखरेख में हो रही है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

समान नागरिक संहिता

सत्ता में वापसी के तीन महीने के भीतर हम असम में समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। हमारी बहुआयामी रणनीति में लव जिहाद, लैंड जिहाद, अतिक्रमण और घुसपैठ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी शामिल होगी।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

सीबीआई जांच की मांग

एसीबी अब तक झारखंड शराब घोटाले के किसी भी आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल करने में विफल रही है, जिसके परिणामस्वरूप सभी आरोपियों को डिफॉल्ट बेल मिल गई। इसी विषय को लेकर आज राज्यपाल से मिलकर सीबीआई जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

खबर संक्षेप

सीतारमण के खिलाफ भारती की शिकायत रद्द

नई दिल्ली। यहां की एक अदालत ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत खारिज कर दी है। यह शिकायत पूर्व आप विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा ने दर्ज कराई थी। अदालत ने आगे बढ़ने का कोई कारण नहीं पाया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने शिकायत खारिज की।

निजी जगह पर नमाज पढ़ी तो होगी कार्रवाई

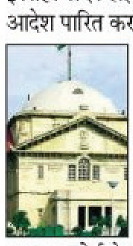

इलाहाबाद। हाईकोर्ट ने अहम आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत सुरक्षा और निजी संपत्ति की आड़ में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को खतरे में नहीं डाला जा सकता। कोर्ट ने याचियों को निजी संपत्ति पर भीड़ जुटाकर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है।शांति व्यवस्था भंग होने पर प्रशासन कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

अभिनव विद्यापीठ राजेंद्र नगर गोरखनाथ गोरखपुर में हुआ रिपोर्ट कार्ड का वितरण

गोरखपुर अभिनव विद्यापीठ नर्सरी से कक्षा 8 तक के भैया एवं बहनों का रिपोर्ट कार्ड का वितरण किया गया जिसमें से नर्सरी से 8 तक के भैया/बहनों को प्राथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वालों को प्रधानाचार्य श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा मोमेंटम, प्रशस्ती प्रमाण पत्र एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया इसी क्रम में प्रधानाचार्य जी ने कहा की जो भैया, बहन को यह

अवसर नहीं प्राप्त हुआ वो लोग आगामी कक्षाओं में नियमित रूप से पढ़ाई कर यह सम्मान हासिल कर सकते हैं

ममता की पार्टी को सुप्रीम कोर्ट से लगा करारा झटका, नसीहत दी

टीएमसी की वोटर लिस्ट वाली आपत्तियों को किया खारिज, चुनाव आयोग ही करेगा फैसला

एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अब 7 को होगा फैसला

देश की सुप्रीम कोर्ट में तृणमूल कांग्रेस की ओर से ऐतराज जताया गया था कि भाजपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में फॉर्म 6 जमा करा रहे हैं। इसके जरिए मतदाताओं के नाम लिस्ट में जुड़वाए जा रहे हैं। इस दलील पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इसमें कुछ गलत नहीं है और ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। इस तरह ममता की पार्टी को करारा झटका लगा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने राज्य में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। चीफ जस्टिस ने कहा कि ऐसा हर बार होता है। पहली बार नहीं हो रहा है। आप आपत्तियां दायर कर सकते हैं। बेंच का कहना था कि यदि आपको किसी का नाम जोड़े जाने से आपत्ति है तो उस पर चुनाव आयोग में रिपोर्ट कर सकते हैं। टीएमसी का पक्ष रख रहे वकील कल्याण बेनर्जी ने एक मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि एक ही व्यक्ति ने 30 हजार फॉर्म 6 जमा किए हैं। फॉर्म 6 का प्रयोग वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने या फिर संसदीय क्षेत्र बदलने की स्थिति में किया जाता है।

फॉर्म 6 क्यों मंगाए जा रहे : टीएमसी का आरोप

सुनवाई में सीजेआई की बेंच ने यह टिप्पणी की

अधिवक्ता ने कहा कि पूरक सूचियां आ चुकी हैं। इसके बाद भी चुनाव आयोग के नए नोटिफिकेशन में फॉर्म 6 स्वीकार करने की बात कही गई है। लेकिन जब वोटर लिस्ट की पूरक सूची आ गई है और प्रक्रिया बढ़ चुकी है तो फिर फॉर्म 6 क्यों मंगाए जा रहे हैं? उनके बंडल तैयार होकर आ रहे हैं। मैं किसी राजनीतिक दल पर इसके लिए आरोप नहीं लगा रहा।

वोट नहीं दे सके, तो वोटिंग का अधिकार खत्म नहीं होगा

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर किसी व्यक्ति को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाता है और वोट नहीं दे पाता है। सभी याद रखें इस चुनाव में वोट नहीं दे पाता है, तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं कि उसे हमेशा के लिए अधिकार से वंचित कर दिया गया है।

अदालत ने कहा-आयोग की सूची पर ही चुनाव होंगे

बेनर्जी ने कहा कि नए नाम जिनके शामिल किए जा रहे हैं। उनके बारे में हर बूथ पर सार्वजनिक सूचना जारी होना चाहिए। ऐसा होने पर ही आपत्तियां दायर हो सकेंगी। इस पर जस्टिस बागची ने दखल दिया। उन्होंने कहा कि एक चीज मतदाता सूची में संशोधन है।

सीआईएसएफ कांस्टेबल की बहाली

केंद्र सरकार की अपील खारिज लगा 25 हजार का जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर सरकार के रवैये पर नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अदालतों में लंबित मुकदमों की बढ़ती संख्या के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार खुद सरकार है। सरकार छोटे-छोटे मामलों को भी खींचकर सुप्रीम कोर्ट तक ले आती है। यह पूरा मामला केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक कांस्टेबल से जुड़ा है। दरअसल, बिना बताए 11 दिन ड्यूटी से गायब रहने और सहकर्मी की बेटी की शादी में मदद करने के आरोप में उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। जब यह मामला पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा, तो अदालत ने पाया कि बर्खास्तगी की यह सजा बहुत ज्यादा है। हाई कोर्ट ने कांस्टेबल को बहाल करने और उसे 25 फीसदी पिछला वेतन देने का आदेश सुनाया।

हाईकोर्ट ने दी शीर्ष कोर्ट को जानकारी

60 में से 47 लाख आपत्तियों का किया निपटारा

बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि मंगलवार तक 60 लाख में से 47 लाख आपत्तियों का निपटारा किया जा चुका है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने अदालत को बताया गया कि हर दिन करीब 1.75 लाख से 2 लाख आपत्तियों पर कार्रवाई की जा रही है और 7 अप्रैल तक सभी आपत्तियों का निपटारा कर लिया जाएगा। वहीं, ममता बेनर्जी की ओर से पेश वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की दर काफी अधिक है और यह करीब 45 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनलों को अपना काम करने दिया जाए, ताकि वे मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने से जुड़े मामलों का निपटारा कर सकें। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार 100 प्रतिशत नाम शामिल करने या हटाने की मांग कर सकते हैं। सुनवाई 7 अप्रैल को हो सकती है।

राज्यसभा में सीएपीएफ बिल पास

विपक्ष ने की नारेबाजी और सदन से वाकआउट किया

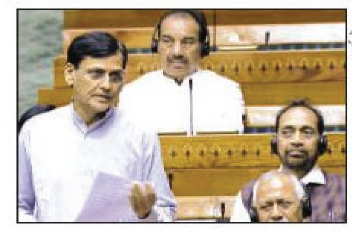

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बुधवार को संसद में सियासी घमासान देखने को मिला। राज्यसभा में 'केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026' को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। विपक्ष ने बिल को आनन-फानन में पास करने का आरोप लगाया है। विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट भी कर दिया। अभी अलग-अलग अर्धसैनिक बलों के लिए सेवा और प्रशासन के नियम भी अलग-अलग थे। यह बिल उन सभी को हटाकर एक सिंगल सिस्टम लागू करेगा। इसका पेंच आईपीएस अफसरों की तैनाती पर है। नए कानून के तहत सीएपीएफ में आईजी रैंक के 50 फीसदी पद और एडीजी रैंक के कम से कम 67 फीसदी पद आईपीएस अधिकारियों के लिए रिजर्व रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अर्धसैनिक बलों में आईपीएस अफसरों की संख्या धीरे-धीरे कम की जाए।

यह संघीय ढांचे को मजबूत करेगा: राय

सदन में बहस का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने साफ कहा कि यह बिल देश के संघीय ढांचे को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। इससे भर्ती प्रक्रिया बेहतर होगी और जवानों का मनोबल बढ़ेगा। विपक्ष ने मांग की कि इस बिल को संसद की प्रवर समिति के पास भेजा जाए। जब सरकार ने यह मांग नहीं मानी, तो नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में समूचा विपक्ष नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चला गया। इस पर भाजपा नेता जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष का संसदीय मर्यादाओं और चर्चा में कोई भरोसा ही नहीं रह गया है।

महंगाई को लेकर कांग्रेस हमलावर

जनता को लूट रहे, देश को संकट में झोंक रहे

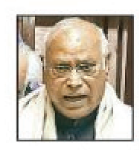

कांग्रेस ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। खरगे ने एक्स पर बताया कि केंद्र ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका असर भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।

घोरावल पुलिस द्वारा प्रॉपर्टी डीलर की हत्याकांड मे 03 अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा हत्या के एक सनसनीखेज प्रकरण का सफल अनावरण करते हुए 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। दिनांक 27/03/26 को वादी घासी मौर्या पुत स्व0 कालिका मौर्या निवासी लोकुआ थाना धानापुर जनपद चंदौली के तहरीर पर थाना घोरावल पर पंजीकृत मु0अ0सं0 63/2026 धारा 103(1), 238 बीएनएस से संबंधित प्रकरण में वादी के भाई मृतक कुंवर मौर्य की दिनांक 22/03/26 को रात्रि में हत्या कर शव को सिरसी डैम थाना संतनगर (मिजार्पुर) में फेंक दिया गया था। उक्त घटना के संबंध में पूर्व में शव बरामद कर विधिक कार्यवाही की जा चुकी है। दिनांक 01.04.2026 को विवेचक प्र0नि0 घोरावल द्वारा मय हमराह पुलिस टीम के साथ अभियुक्तों की तलाश में रवाना होकर घोरावल तिराहा पर मौजूद थे,

कृषि और किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त सचिव ने कहा

देश में ईंधन व कृषि क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला भी स्थिर

संकट के बावजूद केंद्र सरकार की रणनीतिक योजनाएं जमीन पर काम कर रहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल के बीच भारतीय उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। मनिंदर कौर द्विवेदी ने स्थिति पर संतोष जताते हुए कहा कि हम खुद को एक आरामदायक स्थिति में पाते हैं। वैश्विक तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत ने ईंधन और कृषि आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखा है। भारत सरकार की रणनीतिक योजनाएं जमीन पर काम कर रही हैं। उत्पाद शुल्क में कटौती और महत्वपूर्ण मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल से आम नागरिक को महंगाई के सीधे झटके से बचाया गया है। आगामी कृषि सीजन के लिए भी एक मजबूत और सुरक्षित आधार तैयार कर लिया गया है।

मनिंदर कौर द्विवेदी

कृषि क्षेत्र पर प्रभाव और खरीफ सीजन की तैयारियां

कृषि और किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त सचिव मनिंदर कौर द्विवेदी ने प्रमुख कृषि संकेतकों पर स्थिति स्पष्ट की है। ईंधन के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला भी स्थिर बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने आगामी खरीफ सीजन के लिए आवश्यक इनपुट सामग्री की व्यापक समीक्षा की है। सभी कृषि जिंसों की थोक कीमतों की लगातार निगरानी की जा रही है।

सब्जियों के दाम शीर्ष फसलों जैसे टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें भी निर्धारित दायरे में हैं और थोक स्तर पर इनमें सुधार की प्रवृत्ति दिख रही है। बीज की उपलब्धता: राज्यों के साथ समन्वय के माध्यम से यह पुष्टि की गई है कि खरीफ सीजन के लिए बीजों की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है। बीज का पर्याप्त स्टॉक है।

अंतर-मंत्रालयी समन्वय से बाधाएं दूर हो रहीं

इस व्यापक आपूर्ति प्रबंधन में मंत्रालयों के बीच का समन्वय अहम साबित हो रहा है। कृषि मंत्रालय के अनुसार पिछले महीने हाईब्रिड मक्का के बीजों को सुखाने के लिए एलपीजी की आवश्यकता एक छोटी बाधा के रूप में सामने आई थी। हालांकि, पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ त्वरित समन्वय कर एलपीजी की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध कराई गई।

चित्रकूट बुधवार की सुबह हुई भारी बारिश गेहूं की फसल को नुकसान: रात भर नहीं सोया किसान

संवाददाता

चित्रकूट। जनपद में मंगलवार की आधी रात से ही आंधी तूफान ने मचाया कहर। जनपद के मानिकपुर तहसील अंतर्गत रात के तूफान से कई किसानों की फसल में आग लग गई जिससे सात आठ बीघे की फसल जलकर राख हो गई। इस समय जनपद में 80% गेहूं की फसल अरहर की फसल अभी भी किसान घर नहीं ला पाया। चित्रकूट में एक दिन पहले येलो अलर्ट जारी किया गया था वहीं मंगलवार की रात किसान के ऊपर हावी हो गया

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईशतहार
रा०प्र०क्र० 202603021200224/अ-6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रीति अग्रवाल पति अतुल कुमार गर्ग, उम्र 38 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक रमन कुमार अग्रवाल आ.स्व. जगदीश राय अग्रवाल, उम्र 57 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी रोड बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा मु०नामा आम वास्ते पवन कुमार अग्रवाल आस्व जगदीश राय अग्रवाल, उम्र 61 वर्ष, निवासी कलकत्ता पश्चिम बंगाल के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड के 3467/4866/116 में से रकबा 45७80= 3600 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 06/02/2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर युक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति में तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/04 /2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/03/ 2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार देवनगर तहसील रामानुजनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)
नॉटिश

01. जानमोहम्मद आ० पीर मौहम्मद
02. आमना बीबी आ० पीर मोहम्मद,
03. वजीरन बीबी आ० पीर मोहम्मद,
04. गुलबीबी आ० बुधन अब्दुल गफार
06. सहबान आ० शेख मोहम्मद
06. समीमउद्?दीन आ० शेख मोहम्मद,
07. सफिर उद्दीन आ० शेख मोहम्मद,
08. मोनाजिर अंसारी आ० शेख मोहम्मद,
09. समीरन बीबी आ० शेख मोहम्मद,
10. सफीरन बीबी आ० शेख मौहम्मद,
11. समिना आ० शेख मोहम्मद,
12. सहजीदन आ० शेख मोहम्मद,

जाति मुसलमान सा. नारायणपुर, तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.)

सर्व संबंधित पक्षकारों को इस नॉर्टिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आवेदकगण महमूद अली, मोहम्मद हमीद पिता रमजान, 'इरसाद मो. शद्दाम हुसैन पिता बली मोहम्मद वगै, सा नारायणपुर द्वारा इस न्यायालय में ग्राम नारायणपुर तहसील रामानुजनगर स्थित भूमि खसरा नं 979 रकबा 0.26 हे. भूमि जो कि सामिलात खाता में दर्ज है, के सह खातेदार रमजान व उनके पुत्र बली मोहम्मद की मृत्यु होना बताया गया है और जिनके द्वारा अपने हिस्से की भूमि का विक्रय कर दिया गया है उनका नाम विलोपित किये जाने एवं अपने नाम पर नामान्तरण कराये जाने के संबंध में आवेदन पेश किया गया है जिसकी सुनवाई दिनांक 13/04/2026 को नियत है। अतः आप नियत तिथि को न्यायालय नायब तहसीलदार कोर्ट देवनगर में नियत तिथि को समय 11 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं। उपस्थित नहीं होनें की स्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही करते हुवे अग्रिम कार्यवाही कर दिया जावेगा।

नायब तहसीलदार
देवनगर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईशतहार
रा०प्र०क्र० - 202603021200225/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मोनल अध्वाल पति अमित कुमार गर्ग, उम्र 38 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर ज्रि३३ सरगुजा छ०म० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के अनावेदक रमन कुमार अग्रवाल आ.स्व. जगदीश राय अग्रवाल, उम्र 57 वर्ष, निवासी गढ़ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर जिला सरगुजा मुठनामा आम वास्ते पवन कुमार अग्रवाल आस्थ जगदीश राय अग्रवाल, उम्र 61 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी कलकत्ता पश्विम बंगाल के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क 3467/4866/116 में से रकबा 45७80= 3600 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 06/02/2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/04 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दवा अपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक 27/03/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय तहसीलदार, उदयपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)
:: ईशतहार ::
रा०प्र०क्र०/अ-21/2025-26 ग्राम-उदयपुर प०ह०नं० 11, तहसील उदयपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज कुमार अग्रवाल आ० जयनारायण, निवासी ग्राम वसुंधरा पार्क, सत्तीपारा, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) द्वारा ग्राम-उदयपुर, तहसील उदयपुर प०ह०न० 11, स्थित डायवर्सन भूमि खसरा नंबर 92/4 रकबा 0.101 हे० भूमि को अनावेदक सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल आ० राधेश्याम अग्रवाल, निवासी ग्राम कुंवरपुर, थाना व तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) को कुल राशि रू0 15,00,000.00 (शब्दों में पन्द्रह लाख रुपए) मात्र विक्रय करने का सौदा तय कर भूमि के विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन कलेक्टर महोदय, जिला सरगुजा के समक्ष आवेदन मय ईशतहार हेतु आवेदन, शपथ पत्र, बी-1 एवं आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेजो सहित प्रस्तुत है। जिसमें पूर्व निर्धारित बिन्दुओं पर नियमानुसार जांच कर बिन्दुवार भेजे जाने हेतु इस इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 17/04/2026 के पूर्व इस न्यायालय में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा / आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे। आज दिनांक 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

तहसीलदार
उदयपुर, सरगुजा

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईशतहार
रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम अजिरमाकलां को सूचित किया जाता है कि आवेदिका स्नेहलता सिंह पत्नि ओम प्रकाश सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी मायापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अजिरमाकलां, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 987/62/1 रकबा 2.227 हे0 में से रकबा 1.227 हे० भूमि को कृषि भिन्न से औद्योगिक प्रयोजन व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 10/04/2026 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
धौरपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईशतहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उमाशंकर गुप्ता आ० स्व० विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता, निवासी बरेजपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके सयुक्त स्वामित्व व आ० आधित्य की मोहल्ला बरेजपारा. शीट नंबर-08 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल चमि भू-खण्ड क्रमांक- 2602/53 रकबा 0.033/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक रामकृपाल मिश्रा आ० सोमदत्त मिश्रा, निवासी नेहरू वार्ड सत्तीपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 02 मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 638/8 रकबा 0.04 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा अपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 20.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26
// ईशतहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार यादव आ० रघुबर प्रसाद यादव, निवासी ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर, जिला-सुरजपुर (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 106/21 रकबा 0.015 हे0 को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। जिसका नामांतरण आवेदक के नाम पर हो चुका है, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम पर दर्ज नहीं है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/04/ 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 02/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

बारनवापारा का रामपुर ग्रासलैंड फिर हुआ काले हिरणों से आबाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विभाग ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य के रामपुर ग्रासलैंड में काले हिरण (ब्लैकबक) की संख्या बढ़ाने के लिए शुरू किया गया प्रयास सफल रहा है। अब यह क्षेत्र फिर से इन सुंदर और दुर्लभ वन्यजीवों की चहल-पहल से जीवंत हो गया है। वन मंत्री केदार कश्यप की मंशा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में काले हिरणों के पुनर्स्थापन का लक्ष्य तय किया गया था। इसी के तहत फरवरी माह के पहले सप्ताह में 30 काले हिरणों को रामपुर ग्रासलैंड में छोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसे स्वीकृति मिलते ही योजना पर तेजी से काम शुरू किया गया। वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत ₹वैज्ञानिक प्रबंधन₹ के उद्देश्य से अनुमति प्राप्त होने के बाद, वन विभाग की टीम ने विशेषज्ञों की निगरानी में हिरणों को सुरक्षित रूप से उनके नए आवास में छोड़ा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि हिरणों को किसी भी प्रकार का तनाव न हो। मुक्त किए गए काले हिरण अब वहां पहले से मौजूद हिरणों के समूह के साथ सहज रूप से घुल-मिल गए हैं। एक समय प्रदेश से लगभग विलुप्त हो चुके ये हिरण अब फिर से अपने प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं, जो राज्य के लिए गर्व और खुशी की बात है। इस अभियान को मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर श्रीमती सतोविशा समाजदार और वनमंडलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर के नेतृत्व में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसमें बारनवापारा अभयारण्य के अधिकारियों, फील्ड स्टाफ, जीव वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्तमान में वन विभाग की टीम इन हिरणों की नियमित निगरानी कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक सुधार होगा और जैव विविधता को और मजबूती मिलेगी। यह सफलता की कहानी दशार्ती है कि योजनाबद्ध प्रयास, विशेषज्ञों की देखरेख और समर्पित टीमवर्क से विलुप्तप्राय वन्यजीवों को फिर से जीवन दिया जा सकता है।

धमतरी के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण : राज्यपाल से की आत्मीय मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय लोकभवन की कार्यप्रणाली से अवगत कराने और यहां की कार्यालयीन गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज डी.पी.एस. स्कूल के विद्यार्थियों ने आज लोकभवन का भ्रमण किया और राज्यपाल रमेन डेका से आत्मीय मुलाकात की। राज्यपाल ने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्हें जरूरी मार्गदर्शन प्रदान किए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन बहुत सुंदर होता है। इसका सदुपयोग करें तभी सफलता मिलेगी। जीवन के सभी निर्णयों को सोच-समझकर ठंडे दिमाग से लेना चाहिए। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। हर विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर नहीं बन सकता बल्कि अनेक क्षेत्र हैं जहां अपना कैरियर बना सकते है। डी.पी.एस. स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 51 छात्र और 25 छात्राओं की टोली ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ लोकभवन का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक व कार्यालयीन महत्ता को जाना और समझा। उन्हें लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी, सचिवालय की विभिन्न शाखाओं और हरे-भरे उद्यान का भ्रमण कराया गया और इन स्थानों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। भ्रमण एवं अवलोकन के बाद विद्यार्थियों ने बताया कि लोकभवन में आकर उन्हें नया अनुभव हो रहा है। पहली बार वे राज्यपाल से मिले हैं साथ ही यहां की संरचना, हरियाली देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई है।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर विशेष पहल

कोपलवाणी स्कूल के बच्चे पहुंचे लोकभवन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आज विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर कोपलवाणी स्कूल के स्पीच थेरेपी सेंटर के बच्चे अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के साथ लोक भवन पहुंचे और राज्यपाल रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट की। यह अवसर न केवल बच्चों के लिए विशेष रहा, बल्कि समाज में ऑटिज्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। राज्यपाल ने बच्चे और उनके अभिभावकों तथा विशेष बच्चों के लिए समर्पित शिक्षकों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने ऑटिज्म को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया तथा विशेष बच्चों की क्षमताओं और चुनौतियों को संवेदनशीलता के साथ जाना। कार्यक्रम के दौरान डेका बच्चों के साथ अत्यंत आत्मीयता से मिले और उनके साथ समय बिताया। सभी ने मिलकर नीले रंग के गुब्बारे आकाश में छोड़कर यह संदेश दिया कि समाज में हर बच्चे को समान अवसर, समझ और स्वीकार्यता मिलनी चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल डेका ने कोपलवाणी संस्था के बच्चों के आवागमन की सुविधा के लिए अपने स्वेच्छानुदान मद से ई-रिक्शा प्रदान किए और उन्होंने ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोपलवाणी की डायरेक्टर श्रीमती पद्मा शर्मा ने बताया कि यह पहला अवसर है जब विशेष बच्चे लोकभवन पहुँचे हैं। अभिभावकों ने भी इसे गर्व का विषय बताया कि उनके बच्चे आज राज्यपाल से भेंट कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सही मार्गदर्शन, विशेष शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज के संवेदनशील लोगों के सहयोग से ये बच्चे निश्चित ही जीवन में उत्कृष्ट मुकाम प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक, शिक्षिकाएं सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोलबाजार में ज्वेलरी दुकान से 3.5 लाख की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

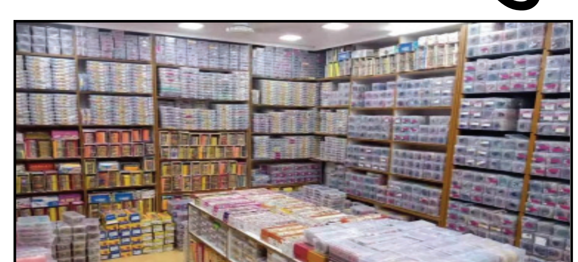

रायपुर। गोलबाजार थाना क्षेत्र में स्थित नरेन्द्र बैंगल्स स्टोर्स में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर ने दुकान में घुसकर कैश काउंटर का ताला तोड़ते हुए करीब 3.5 लाख रुपये और एक मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर दिया। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुकान संचालक मनीष कुमार जैन और उनके भाई रोमिल जैन के अनुसार, 31 मार्च की रात दुकान बंद कर वे करीब 11:15 बजे घर चले गए थे। अगले दिन 1 अप्रैल की सुबह जब दुकान खोली गई, तो कैश काउंटर का ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि काउंटर में रखी 500 रुपये की 7 गड्डियां, यानी कुल 3,50,000 रुपये गायब हैं। इसके अलावा दराज में रखा एक एंड्रॉइड मोबाइल भी चोरी हो गया। घटना का खुलासा दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों से हुआ। फुटेज में रात 11:27 बजे एक दुबला-पतला युवक, जो शर्ट पहने बिना दिखाई दे रहा है, कैश काउंटर का ताला तोड़ते और पैसे निकालते नजर आ रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी दुकान में कैसे घुसा और बाहर कैसे निकला। गोलबाजार पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। दुकान संचालक ने इस घटना को अपनी आर्थिक स्थिति और व्यवसायिक सुरक्षा के लिए गंभीर बताया है और पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस ने नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत दें। इस घटना के बाद गोलबाजार क्षेत्र में व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने दुकानदारों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, बेहतर ताले लगाने और सीसीटीवी सिस्टम सक्रिय रखने की सलाह दी है।

प्लास्टिक की बोतल में शराब स्वास्थ्य को तो नहीं पहुंचेगा नुकसान, कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को प्लास्टिक की बोतल में शराब की बाटलिंग के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने सरकार से पूछा है, प्लास्टिक की बोतल में शराब पैकिंग से स्वास्थ्य को नुकसान तो नहीं होगा। राज्य सरकार की नई ऑबकारी पॉलिसी को चुनौती देते हुए ऋषि इंटरप्राइजेज ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। नई आबकारी नीति में कांच की जगह अब प्लास्टिक की बोतल में शराब की बाटलिंग की जाएगी। याचिकाकर्ता ने इस पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में कहा है कि प्लास्टिक की बोतल में शराब की पैकिंग से पीने वालों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। याचिकाकर्ता ने पर्यावरण प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया है। शराब दुकानों के आसपास शराब पीने के बाद बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की बोतलें बिखरी पड़ी रहेगी, इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा। याचिका की सुनवाई जस्टिस एनके चंद्रवंशी के सिंगल बेंच में हुई। याचिका की सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता नई आबकारी नीति के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने पर्यावरण और स्वास्थ्य के मुद्दे पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है, प्लास्टिक की बोतल में शराब की बाटलिंग से शराब पीने वालों के स्वास्थ्य पर बुरा असर तो नहीं पड़ेगा, कोर्ट ने यह भी पूछा है, प्लास्टिक की बोतलों में शराब पैकिंग का निर्णय लेने से पहले विशेषज्ञों से रायशुमारी की गई है या नहीं,उनकी रिपोर्ट क्या है, पर्यावरण को किस हद तक सुरक्षित रखेंगे, इसके लिए क्या कार्ययोजना बनाई गई है। हाई कोर्ट ने राज्य शासन को जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। दो सप्ताह बाद याचिका की सुनवाई होगी।

आरोपियों की मौजूदगी में कोर्ट की कार्यवाही पूरी, कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आज प्रवर्तन निदेशालय की विशेष अदालत में बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में अहम सुनवाई हुई, जहां कुल 59 आरोपियों को पेश किया गया। सभी आरोपियों की मौजूदगी में कोर्ट की कार्यवाही पूरी हुई, जिसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान धारा 88 के तहत आरोपियों के बयान दर्ज किए गए। इस दौरान पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा भी अदालत में उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल, सौम्या चौरसिया, निरंजन दास सहित आबकारी विभाग से जुड़े कई अधिकारी भी कोर्ट में पेश हुए। यह मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। माना जा रहा है कि अदालत इस मामले में जल्द ही अपना फैसला सुना सकती है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। मामले की पृष्ठभूमि की बात करें तो ईडी ने एसीबी में दर्ज एफआईआर के आधार पर 3200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले का उल्लेख किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, यह घोटाला तत्कालीन सरकार के कार्यकाल में एक संगठित सिंडिकेट के जरिए अंजाम दिया गया।

जंगल के मैदानों से राष्ट्रीय मंच तक : भारत की हॉकी विरासत को जीवित रखे हुए हैं जनजातीय समुदाय

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मिजोरम के कई खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर ओलंपियनों और टैलेंट स्काउट्स का ध्यान खींचा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। ओडिशा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हॉकी का स्वर्ण पदक जीतकर अपने दबदबे को साबित किया। रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया। रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक जगह बनाई। ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दशार्ता है। लेकिन पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था—जो अब बदल रहा है। केंद्रीय खेल मंत्रालय और राज्यों द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेहतर बुनियादी ढांचे और संगठित जमीनी कार्यक्रमों के चलते अब एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे पूर्व ओलंपियन अजीत लकड़ा, जो वर्तमान में बिलासपुर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मुख्य कोच हैं, इस बदलाव को करीब से देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लग्रासरूट से लेकर जूनियर और फिर सीनियर स्तर तक पूरी प्रणाली धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। खासकर जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ी इससे काफी लाभान्वित हो रहे हैं। उनकी प्राकृतिक प्रतिभा को अब सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के जरिए निखारा जा रहा है।ह्व लकड़ा का मानना है कि यह संरचित सहयोग

एक सकारात्मक श्रृंखला बना रहा है। उन्होंने कहा, ह्लजब बच्चे यहां आकर सीखते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे दूसरों को प्रेरित करते हैं। इससे लगातार नए खिलाड़ी सामने आ रहे हैं।ह्व जो क्षेत्र कभी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों और नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां अब खेल के माध्यम से एक शांत बदलाव देखने को मिल रहा है। हॉकी एक सेतु बनकर इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ रही है। खेल मंत्रालय का ह्यअस्मिताह्ण कार्यक्रम अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों को जोड़कर उन्हें मुख्यधारा में ला रहा है। 1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे पूर्व ओलंपियन मनोहर टोपनो, जिन्होंने झारखंड और छत्तीसगढ़ की पुरुष टीमों को कोचिंग दी है, ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसी पहल के जमीनी प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ह्लमैं इस ग्रासरूट टूनार्मेंट के आयोजन के लिए साई का धन्यवाद करना चाहता हूं। हमारे समुदायों के लड़के और लड़कियां आगे बढ़ रहे हैं और खुद को नई पहचान दे रहे हैं। अगर हम ऐसे ही आगे बढ़ते रहे, तो एक दिन ये खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।ह्व टोपनो ने प्रतिभा के पीछे की एक अहम सच्चाई पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ह्लहमारे जनजातीय समुदायों में हॉकी स्वाभाविक रूप से खेली जाती है। अगर हम इन क्षेत्रों पर ध्यान दें, तो हमारे खिलाड़ी आगे बढ़ेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे।ह्व एक और महत्वपूर्ण बदलाव खेल विज्ञान, फिजियोथेरेपी और वीडियो विश्लेषण जैसी सुविधाओं का पहुंचना है, जो पहले केवल शीर्ष स्तर तक सीमित थीं। अब दूरदराज के क्षेत्रों के खिलाड़ी भी पेशेवर प्रशिक्षण वातावरण का लाभ उठा रहे हैं। पारंपरिक स्वाभाविक खेल और आधुनिक कोचिंग का यह मेल प्रदर्शन के नए स्तर खोल रहा है। झारखंड की पूर्व खिलाड़ी और हॉकी इंडिया की सदस्य असृता लकड़ा ने कहा, ह्लइन क्षेत्रों के बच्चों के खून में हॉकी बसती है, इसलिए वे स्वाभाविक रूप से इस खेल की ओर आकर्षित होते हैं। खेलो इंडिया जैसे प्लेटफॉर्म ने उन्हें दिशा दी है।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्लबेहतर सुविधाओं, प्रशिक्षण और एक्सपोजर के कारण अब खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। उनका मनोबल बढ़ा है और प्रदर्शन में स्पष्ट सुधार दिख रहा है।ह्व अब इसका प्रभाव केवल कहानियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नतीजों, प्रतिनिधित्व और बढ़ती महत्वाकांक्षा में साफ दिखाई दे रहा है। जनजातीय खिलाड़ी अब सिर्फ भाग लेने वाले नहीं, बल्कि दावेदार, चैंपियन और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय सितारे बन रहे हैं। रायपुर में ओडिशा का यह स्वर्णिम प्रदर्शन एक बड़े आंदोलन का प्रतीक है—जहां गांव उत्कृष्टता के केंद्र बन रहे हैं और हॉकी एक पूरी पीढ़ी के सपनों को नई दिशा दे रही है। बस्तर के धूल भरे मैदानों से लेकर रायपुर के भरे स्टेडियम तक, इन खिलाड़ियों की यात्रा न केवल भारतीय हॉकी, बल्कि जनजातीय भारत के सामाजिक ताने-बाने को भी बदल रही है।

गांधी उद्यान से तेलीबांधा तक बनने वाला पुल निरस्त

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजधानी रायपुर में गांधी उद्यान से तेलीबांधा तक प्रस्तावित फ्लाईओवर परियोजना फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई है। मंत्रालय में हुई हालिया बैठक में जनप्रतिनिधियों के विरोध के बाद इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, इस परियोजना की फाइल अंतिम चरण में थी और केवल औपचारिक हस्ताक्षर बाकी थे। लोक निर्माण विभाग ने फ्लाईओवर के लिए ड्राइंग-डिजाइन तैयार कर ली थी, साथ ही मिट्टी परीक्षण और अन्य तकनीकी प्रक्रियाएं भी पूरी कर ली गई थीं। यहां तक कि टेंडर भी जारी कर दिया गया था।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर से गुंजायमान रहे मंदिर, दिन भर चला धार्मिक अनुष्ठान

0 भक्ति व उत्साह के साथ मना हनुमानजी जी का जन्मोत्सव, निकली भव्य शोभायात्रा 0 हनुमान प्रभु की भक्ति में डूबा रहा शहर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संकट मोचन हनुमान प्रभु के जन्मोत्सव पर शहर सहित जिले के श्री राम एवं हनुमान मंदिरों में विविध धार्मिक आयोजनों के साथ पवन पुत्र हनुमानजी की भक्ति और उत्साह के साथ विशेष पूजा अर्चना की गई। जन्मोत्सव के लिए सभी हनुमान मन्दिरों को रंगीन रौशनी व फूल मालाओं से आकर्षक तरीके से सजाया गया था। तो वहीं समूचे शहर को भगवा झंडों व पट्टीयो से सजाया गया था जिससे समूचा शहर भगवामय हो गया था। गुरुवार को धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ संकट मोचन हनुमानजी का अभिषेक और विशेष अनुष्ठानो का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिरों में प्रात: से ही हनुमान भक्तों की भीड़ देखी गई। दिन में धार्मिक मंत्रोच्चार और हनुमान चालीसा से शहर गुंजायमान रहा। तो वहीं दिन के दूसरे पहर में बजरंग दल एवं अन्य हिन्दू संगठनों के द्वारा बाजे गाजे, आतिशबाजी व आकर्षक झांकियों के साथ श्री राम दरबार सहित हनुमानजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो रंगमंच स्थित हनुमान मंदिर से प्रारम्भ होकर शहर के सभी मुख्य मार्गो के भ्रमण पश्चात वापस रंगमंच पहुंची। दोपहर से शाम तक शहर के सभी हनुमान मंदिरों में सुंदरकांड के संगीतमय पाठ एवं सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया।

जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और शहर का कोना कोना पवन तहत बल पवन सामना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधान की अनुगूंज से गुंजायमान रहा। नगर के मेन रोड स्थित भगवान श्री राम मंदिर में महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। गुरुवार को दिन भर मंदिरों में भंडारा का आयोजन चलता रहा। रात्रि में श्री नवयुवक दुर्गा मंडल व बाहर के भक्तिरस कलाकारों के द्वारा रंगमंच स्थित हनुमान मंदिर में भजनों की अमृत वर्षा की गई। तो वहीं शहर के सभी हनुमान मंदिरों में स्थानीय एवं बाहर से आई भजन मंडलियों के द्वारा भक्तिरस के भजनों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। जिसमें देर रात तक श्रद्धालु थिरकते हुए भजनों का आनंद लेते नजर आए।

मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां जनता के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक : शशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों को जनता के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करार दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनता की जेब पर डकैती डालते हुए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 195 की ताजा वृद्धि की है। पिछले 03 महीनों में कुल 525 की बढ़ोतरी हो चुकी है। यही

कमर्शियल 195 और घरेलू गैस हुई 62 महंगी

केंद्र की गलत नीतियों, आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलताओं ने देश को महंगाई के दलदल में धकेल दिया है। शशि सिंह ने केंद्र सरकार पर प्रहार करते हुए निम्नलिखित महत्वपूर्ण तथ्य रखे और बताया की गैस सिलेंडर की दोहरी मार नहीं, पिछले हफ्ते ही घरेलू गैस पर 62 रुपये बढ़ाकर मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी गई है। जो भाजपाई 4 सौ रुपये में शोर मचाते थे, आज वे एक हजारे के पार की कीमतों पर मौन क्यों हैं..? तेल का खेल और छलावा पेट्रोल डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का नाटक कर भाजपा नेताओं ने खूब ढोल पीटा,

लेकिन आज हकीकत सामने है।अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल के दाम फिर से बढ़ा दिए गए हैं। नायरा जैसे पंपों पर 4 तक की बढ़ोतरी हो रही है। हवाई ईंधन महंगा होने से मध्यम वर्ग की यात्राएं भी दूभर हो गई हैं। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ने कहा कि इस जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से सदन तक कांग्रेस आवाज उठाती रहेगी।

70 साल बनाम 10 साल का सच

जिस खाद्य तेल को 70 तक पहुंचने में 70 साल लगे थे, उसे मोदी सरकार ने महज कुछ वर्षों में 200 के पार पहुंचा दिया। दूध, मावा, राशन और दैनिक उपभोग की हर वस्तु की कीमतें बेतहाशा बढ़ रही हैं। यह महंगाई प्राकृतिक नहीं,बल्कि भाजपा निर्मित आपदा है।

मित्रो की तिजोरी में गरीबों का हक

शशि सिंह ने आरोप लगाया की मोदी सरकार ने मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजना का गला घोंट दिया है। आम जनता के खाते से बैंक सर्विस चार्ज के नाम पर पैसे काट रहे हैं और वही पैसा पूंजीपति मित्रों के कर्जे माफ करने में जा रहा है। देश के सार्वजनिक उपक्रम बेचे जा रहे हैं और आर्थिक असमानता अपने चरम पर है। आज महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है। मोदी सरकार को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है।

सेवानिवृत्ति पश्चात डीएसपी कुजूर को पुलिस परिवार ने भावभीनी विदाई

एसएसपी बोले- निष्ठा और समर्पण के साथ वर्षों तक की गई सेवाएं अनुकरणीय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां पुलिस विभाग में पदस्थ रहे डीएसपी पी.डी.कुजूर ने 37.3 वर्ष तक सेवा देकर 31 मार्च को

सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर जिला पुलिस कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर समेत कई पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर डीआईजी श्री ठाकुर ने सेवानिवृत्त डीएसपी को साल-श्रीफल, उपहार, स्मृति चिन्ह एवं प्रशिस्त पत्र देकर सम्मानित करते हुए कहा कि डीएसपी पी.डी.कुजूर ने अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ किया, अधिनस्थों को समय-समय पर मार्गदर्शन देते रहे, शांती एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रियता से कार्य किया। उन्होंने सेवानिवृत्त डीएसपी के अच्छे स्वास्थ्य एवं लंबी उम्र की कामना की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त डीएसपी के परिजन, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, डीएसपी रीना नीलम कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

हनुमान जयंती पर गढ़वतियां देवी धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। ग्राम पंचायत महूली स्थित सुप्रसिद्ध गढ़वतियां देवी धाम में इस वर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। तड़के से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया और देर शाम तक दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं। छत्तीसगढ़ सहित मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान के दर्शन कर सुख, समृद्धि एवं संकटों से मुक्ति की कामना की। पूरा धाम जय श्री राम और बजरंगबली की जय के जयघोष से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूर्णत: भक्तिमय हो गया। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ, सुंदरकांड एवं अखंड भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। दिनभर चले इन धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालु भाव-विभोर होकर शामिल हुए। साथ ही आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन एवं समिति द्वारा

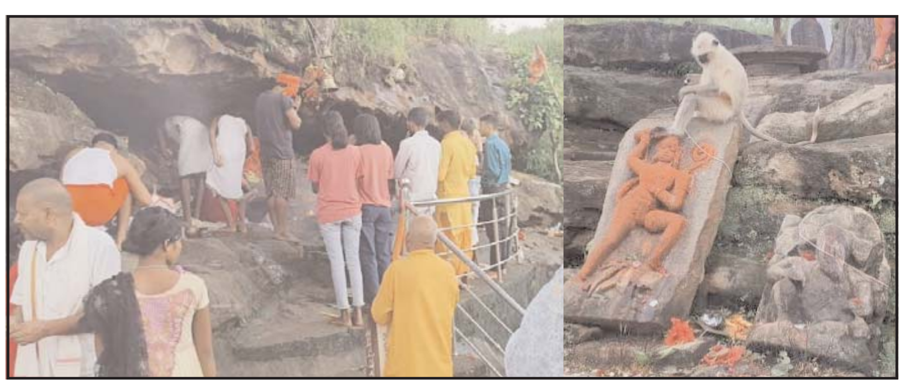

सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इन व्यवस्थाओं के चलते पूरे आयोजन में कहीं भी अव्यवस्था देखने को नहीं मिली और श्रद्धालुओं को सहज व सुरक्षित दर्शन का लाभ मिला। समाजसेवियों एवं ग्रामीणों ने आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गढ़वतियां देवी धाम वर्षों से अटूट आस्था का केंद्र रहा है, जहां हर वर्ष हनुमान जयंती पर इसी प्रकार श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और भाईचारे का भी सशक्त संदेश देता नजर आया।

गढ़वतियां देवी धाम में आयोजित यह भव्य धार्मिक उत्सव क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और एकजुटता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा, जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि श्रद्धा की शक्ति हर सीमा को पार कर देती है।

छात्रावासों की समस्याओं का करें त्वरित समाधान : जयवर्धन

कलेक्टर ने निर्माण विभागों की समीक्षा कर गुणवत्तापूर्ण कार्यों के दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को यहां जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में विभिन्न निर्माण कार्य विभागों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना,राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन, हाउसिंग बोर्ड, विद्युत विभाग एवं विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे। आदिम जाति विकास विभाग के निर्माण कार्यों पर चर्चा की गई। जिसमें कन्या एवं बालक छात्रावास, पोस्ट मैट्रिक आदिवासी छात्रावास एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने छात्रावासों में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान करने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर

दिया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत निर्मित सड़कों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। सेतु निर्माण विभाग से जिले में निर्मित पुलों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने सभी पुलों की समय-समय पर जांच एवं आवश्यक अनुरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के जिन पुलों की स्थिति जर्जर है वहां शीघ्र अति शीघ्र नए पुल निर्माण के निर्देश दिए।लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे सड़क मरम्मत, सड़क चौड़ीकरण, स्कूल भवन, बाउंड्री वॉल एवं छात्रावास निर्माण सहित अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नए सड़कों के निर्माण के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने हाउसिंग बोर्ड के अंतर्गत कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए, होने वाले नवीन निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विद्युत विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार विद्युतीकरण कर किसानों को लाभ पहुँचाने वाले कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी कार्य समयसीमा में करने के निर्देश दिए। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग और कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें ताकि लोगों को इन कार्यों का शीघ्र लाभ मिल सके। इसके लिए उन्होंने निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महतारी वंदन योजना अंतर्गत हितग्राहियों के ईकेवायसी हेतु सीएससी ऑपरेटर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ईकेवायसी सुनिश्चित करने पहल करते हुए सीएससी ऑपरेटर एवं आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों का संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के सभी 6 विकासखण्डों में आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम इस उद्देश्य 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक जिले के सभी पात्र हितग्राहियों का ईकेवायसी कार्य सुचारू एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जानकारी दी है कि राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का ईकेवायसी कराना अनिवार्य किया गया है, जिससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं सही पात्र व्यक्तियों तक सुनिश्चित किया जा सके। जिसके लिए प्रशिक्षण के माध्यम से सभी संबंधित कार्मिकों को ईकेवायसी प्रक्रिया, पोर्टल संचालन, हितग्राही सत्यापन एवं फील्ड स्तर पर समन्वय की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में प्रत्येक हितग्राही का ईकेवायसी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा हितग्राहियों को सीएससी तक लाने में सहयोग, ऑपरेटर द्वारा नि:शुल्क एवं पारदर्शी ईकेवायसी प्रक्रिया सुनिश्चित करना, हितग्राहियों की व्यक्तिगत जानकारी एवं ओटीपी की गोपनीयता बनाए रखना, दैनिक प्रगति की मॉनिटरिंग एवं समय पर रिपोर्टिंग करने के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिले में सभी पात्र हितग्राहियों की सूची के आधार पर कार्य किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न हो। उन्होंने बताया कि कोई भी हितग्राही न छूटे इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। यदि कोई हितग्राही निर्धारित अवधि में केवाईसी से वंचित रह जाता है, तो उसे पुन: अवसर प्रदान करते हुए 01 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 के मध्य कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सीएससी ऑपरेटर के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ईकेवायसी कार्य को अभियान के रूप में संचालित करने की रणनीति बनाई गई है। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इस महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता देते हुए समय-सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें, ताकि महतारी वंदन योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक सुगमता से पहुँच सके।

संयुक्त कलेक्टर ने ली शिक्षा समीक्षा बैठक, पीएम श्री विद्यालय बतरा का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में विकास खंड भैयाथान के संकुल प्राचार्य एवं समन्वयको की समीक्षा बैठक जनपद सभा कक्ष में संपन्न हुआ।

अपार आईडी, बायोमेट्रिक्स और स्कूल ग्रांट पर दिए कड़े निर्देश

संकुलवार अपार आई डी एवं बायोमैट्रिक्स आधार अपडेशन की समीक्षा की गई अपार में कम प्रगति वाले 13 संकुल दर्रिपारा, भटगांव, अधीना सलका, कसकेला, बतसरा1, बंजा 03, भैयाथान, सोनपुर1, समौली, शिवप्रसादनगर, बैजनाथपुर 1, लक्ष्मीपुर, केवरा, बंजा1 के सीआरसी सीएसी से अपार की अधिक पेंडेंसी पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा उन्होंने कहा एक सप्ताह में यदि प्रगति नहीं लाया गया तो कार्यवाही की जाएगी। आधार बायोमैट्रिक्स अपडेशन को संस्था प्रमुखों को

आज ही वैलिडेट करने के निर्देश दिए गए। स्कूल ग्रांट राशि का सदुपयोग छात्र हित में हो इसका मॉनिटरिंग संकुल स्तर में किया जाए। परीक्षा संपन्न होने के पश्चात रेमेडियल टीचिंग करने का भी निर्देश दिया गया। इसके पश्चात पीएम श्री सेजस विद्यालय बतरा का निरीक्षण ज्वाइंट कलेक्टर महोदय के द्वारा किया गया 24 बिंदुओं पर निरीक्षण कर आवश्यक सुधार का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी भैयाथान फुल साय मरावी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह एवं बीआरसी सुरेंद्र दुबे सहित विकासखंड के सभी संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक उपस्थित थे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

भगवान श्री हनुमान का शुभ प्रकटोत्सव जिले में भक्तिभाव से मनाया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भगवान श्री रामचंद्र के परम भक्त श्री हनुमान का शुभ प्रकटोत्सव जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पर मंदिरों में विधिवत पूजा-अर्चना की गई। हनुमान मंदिरों में देर शाम तक भजन-कीर्तन जारी रहा। अखंड हरिकीर्तन होने से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्री हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर कलेक्टोरेट परिसर स्थित इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर, मल्टीपरपज स्कूल रोड, कलेक्टर बंगला रोड, जोड़ा पीपल, लमगांव में स्थित हनुमान मंदिर सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर पूर्व मंत्री गणेशराम भगत की भी उपस्थिति रही।

श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर शहर के स्कूल रोड स्थित हनुमान मंदिर में महावीर मंडल लोक न्यास समिति द्वारा दो दिन पूर्व से ही भव्य तैयारियां की जा रही थी। गुरूवार की सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचना शुरू कर दिए थे। पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी पूजा अर्चना के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था, जिसका लाभ हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया। इस दौरान वरिष्ठ पार्षद विजय सोनी, मनोज गुप्ता, किशोर सिंह बघेल, दूधनाथ गोस्वामी, रोचक गुप्ता, शानू कश्यप सहित अन्य सक्रिय रहे। कलेक्टोरेट परिसर में स्थित इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया। यहां दक्षिणमुखी भगवान श्री हनुमान की प्रतिमा विराजमान है। यह मंदिर जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है। मंदिर में नल, नील और जामवंत की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई है। गुरूवार को श्री हनुमान के भक्त यहां सुबह से ही पूजा-पाठ के लिए पहुंच रहे थे। देर शाम तक सभी मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। इसके अलावा गांधीनगर, गोधनपुर सहित हनुमान मंदिरों में भगवार श्री हनुमान का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

लमगांव में स्वयं प्रकट श्री हनुमान का दर्शन करने उमड़े भक्त

सरगुजा जिले के लमगांव में भगवान श्री हनुमान की प्रतिमा स्वत: प्रकट हुई है। यहां वर्षों से अनवरत 24 घंटे रामचरितमानस का पाठ चलते रहता है। श्री हनुमान के जन्मोत्सव पर गुरूवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की होने वाली भीड़ को देखते हुए विशेष तैयारी की गई थी। यहां सरगुजा संभाग सहित पड़ोसी राज्यों से काफी संख्या में भक्तगण दर्शन के लिए पहुंचे थे। कड़ी धूप के बाद भी दर्शन के लिए लगी लंबी लाइन के बीच महिला-पुरूष भक्त घंटों खड़े रहे। पूजा-पाठ के बाद देर शाम तक भंडारे का प्रसाद लोगों ने ग्रहण किया। यहां सुबह से ही भजन-कीर्तन का दौर आरंभ हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। श्री हनुमान के जन्मोत्सव को लेकर मंदिर समिति द्वारा भी पूरी तैयारी गई गई थी। भक्तों ने श्री हनुमान चालीसा का भी पाठ किया।

सुचारू व्यवस्था के नाम पर बैरीकेड बना परेशानी का सबब

स्कूल रोड में स्थित श्री हनुमान मंदिर में कथित रूप से अव्यवस्था की स्थिति न बने इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से की गई तैयारियों ने लोगों को परेशान कर दिया। पूर्व कमिश्नर कार्यालय के सामने, मल्टीपरपज स्कूल के पास से ही पुलिस ने बैरीकेड लगा दिया था, जिस कारण छोटे बच्चों, वृद्धों के साथ दोपहिया में आने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पूर्व के वर्षों में यह मार्ग चालू रहता था और लोग स्वेच्छा से कंपनी बाजार या थाना चौक, लरंग साय चौक की ओर से मंदिर में दर्शन के बाद निकल लेते थे। यहां तैनात एक पुलिस कर्मी आने-जाने वालों से पुलिस अफसरों का धौंस दिखाते हुए हुज्जतबाजी करने से भी बाज नहीं आ रहा था, इसे लेकर आक्रोश की स्थिति भी बन रही थी। वहीं पुलिस कर्मी सहित इनके परिचित खासकर दोपहिया वाहनों से बिना किसी रोक-टोक के प्रवेश कर रहे थे। कम्पनी बाजार में भी बैरीकेड लगा दिया गया था, यहां से किसी को स्कूल रोड की ओर आना हो, तो उन्हें डीसी रोड की ओर रूख करना पड़ रहा था, जबकि रिहायसी क्षेत्र व मंडी बाजार होने के कारण यहां लोगों का आना-जाना लगे रहता है।

ग्रामीण पर टांगी से हमला करके हत्या का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बकरी द्वारा टमाटर का फसल खाने की बात को लेकर टांगी से वार करके हत्या का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को केदमा पुलिस चौकी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टांगा जप्त किया है।

जानकारी के मुताबिक उदयपर थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी केदमा अंतर्गत ग्राम पेंडरखी की सुसेन ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि बीते 16 फरवरी को उसका पति दिलेश्वर रजक बकरी चराने गया था, इसी दौरान एक बकरी शोभनाथ के आंगन में घुसकर टमाटर का फसल को खा गया। इससे नाराज होकर शोभनाथ आवेश में आकर महिला के पति दिलेश्वर रजक से गाली गलौज करने लगा और पीछे से आकर अपने हाथ में रखे टांगा से पीठ में वार कर दिया, जिसमें उसे गंभीर चोट आई थी। उदयपुर अस्पताल में घायल का इलाज करने के बाद चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया था। इसके बाद मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में दिलेश्वर रजक का इलाज चल रहा है। रिपोर्ट पर चौकी केदमा पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध बीएनएस की धारा 296, 351(3), 115(2) का अपराध पंजीबद्ध किया था, और घटनास्थल का निरीक्षण करके आहत दिलेश्वर रजक का बेड हेड टिकट एक्स-रे व सीटी स्केन रिपोर्ट प्राप्त किया, जिसमें आहत को आई चोट के गंभीर प्रवृत्ति का होना एवं उक्त चोट से मृत्यु सम्भाव्य होना चिकित्सक ने लेख किया है। पुलिस ने चिकित्सक की रिपोर्ट के आधार पर मामले में धारा 109 बीएनएस जोड़कर आरोपी शोभनाथ पिता सोमार साय 53 वर्ष निवासी ग्राम पेण्डरखी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी केदमा उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक नामूल राम, आरक्षक जोधन राम, मुनेश्वर राम सक्रिय रहे।

देश को संकट में फंसाकर मोदी सरकार का पूरा तंत्र चुनाव जीतने के प्रयास में लगा

केंद्र सरकार की कूटनीतिक विफलता और आर्थिक कुप्रबंधन पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने किया जमकर प्रहार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलता और उद्योगपति मित्रों के लिए अपनाई गई सुनियोजित आर्थिक कुप्रबंधन के फलस्वरूप देश में बढ़ती महंगाई और पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत को लेकर गुरूवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने जिलाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में प्रेसवार्ता का आयोजन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में कांग्रेस कमेटियों द्वारा प्रेस से चर्चा का आयोजित किया गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने इस मौके पर कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध प्रारंभ होने के पूर्व मोदी सरकार ने रूस सहित पूरे विश्व से सस्ती दरों पर कच्चे तेल की खरीदारी की, लेकिन उसका फायदा देश की आम जनता को नहीं मिला। एक ओर देश की जनता सैकड़ा की कीमत में पेट्रोल-डीजल खरीदने को मजबूर थी, वहीं प्रधानमंत्री मोदीजी के उद्योगपति मित्र मोटा मुनाफा कमा रहे थे। युद्ध के हालातों में तेल की कीमतों में हुई वृद्धि का बोझ जनता के सर पर डाला जा

रहा है। सरकार ने सुनियोजित रूप से इस आर्थिक कुप्रबंधन को अपनाया। लाभ की स्थिति में फायदा उद्योगपति मित्रों को हुआ, नुकसान देश की गरीब जनता झेलेगी। इसके कारण हाल ही में रसोई गैस, डीजल, प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसके परिणाम स्वरूप देश में खाद्य पदार्थों की कीमत में भी अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि देश को संकट में फंसाकर मोदी सरकार का पूरा तंत्र चुनाव जीतने के प्रयास में लगा हुआ है। देश के गृहमंत्री बोलते हैं कि वो बंगाल चुनाव जीतने के लिए 15 दिन बंगाल में ही बैठेंगे, लेकिन उन्होंने एक बार भी यह नहीं कहा कि गैस की कालाबाजारी को रोकने के लिए वो और उनका मंत्रालय 15 दिन कमर कस के काम करेगा। उन्होंने कहा मामला सिर्फ महंगाई बढ़ने तक ही सीमित नहीं है, अब देश में पेट्रोलियम पदार्थों की भारी किल्लत भी प्रारंभ हो गई है। इसकी वजह मोदी सरकार की अमेरिका के सामने सरेंडर नीति है, जिसके परिणाम स्वरूप युद्ध के पहले ही हम अपने हितैषी तेल आपूर्तिकर्ता देशों जैसे रूस, ईरान से अपने संबंधों को समाप्त कर चुके थे। युद्ध के दौरान अमेरिका और इजरायल के द्वारा ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या और दूसरे परिस्थितियों पर सरकार की खामोशी ने भी स्थितियों को और बिगड़ा। इन परिस्थितियों ने देश को गंभीर आर्थिक संकट में फंसा दिया है। फैक्टरियों के बंद होने से बेरोजगारी बढ़ी है। गैस की किल्लत ने कालाबाजारी को जन्म दिया है।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव ने कहा कि भारत को प्रतिदिन 2 एलपीजी, 1 एलएनजी और 1 पीएनजी भरे जहाज की दरकार है। इस प्रकार से देश को महीने भर में 126 जहाज में विभिन्न गैस चाहिए, जबकि हमें पूरे महीने भर में मात्र 6 जहाज ही मिल पाए हैं, जबकि पाकिस्तान ने खाड़ी देशों से 30 जहाज में गैस प्राप्त किया है। यह बतलाता है कि हम वैश्विक मंच पर किस कदर विफल हो चुके हैं। प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक विफलता के कारण आज रुपया दुनिया की सबसे कमजोर मुद्रा में बदल चुका है। ईरान युद्ध के पहले ही एक डॉलर 92 रुपये के बराबर था, जो अब बढ़कर 95 पर हो गया है। मोदी सरकार के कार्यकाल के 11 वर्ष में रुपये में 37 रुपये की भारी गिरावट हुई है, जबकि मनमोहन सरकार के पूरे कार्यकाल में मात्र 13 रुपये की गिरावट को मोदीजी ने प्रधानमंत्री और देश की प्रतिष्ठा में गिरावट से जोड़ दिया था। प्रेसवार्ता में मो. इस्लाम, संजय विश्वकर्मा, इंद्रजीत सिंह धंजल, विनीत विशाल जायसवाल, दुर्गेश गुप्ता, अनूप मेहता, आलोक सिंह, नरेंद्र विश्वकर्मा, विकल झा, आशीष जायसवाल, अविनाश कुमार, अमित सिंह भी उपस्थित थे।

अवैध संबंध के संदेह पर हत्या के बाद शव को गड्ढे में डाल दिया था आरोपी

पति-पत्नी को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना अंतर्गत हत्या करके गड्ढे में शव डालने के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार पति-पत्नी को जेल भेज दिया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर के नेतृत्व में चल रही पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अवैध संबंध की आशंका पर आवेश में आकर लाठी से गंभीर चोट कारित करके घटना को अंजाम दिया था। आरोपी पति-पत्नी, शव को छिपाने के उद्देश्य से घर में पहले से बने गड्ढे में शव को डालकर मिट्टी से ढक दिए थे। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा, टूटा हुआ मोबाइल, घटना में प्रयुक्त फावड़ा व घटना के दौरान पहने गए कपड़े को जप्त किया है। बता दें कि 31 मार्च की रात को भगवानपुर खुर्द निवासी मिथलेश कुजूर थाना गांधीनगर आकर बताया कि 07 दिवस पूर्व मोहल्ले के ही बृजलाल अगरिया उसके घर में आया था और शराब पीने के लिए अपने घर चलने की जिद्द करने लगा। इसी बात पर दोनों में विवाद हुआ तो बृजलाल ने मिथलेश का मोबाइल तोड़ दिया था। इसके बाद दोनों आपस में मारपीट करने लगे, और मिथलेश ने बृजलाल के सिर में लाठी से वार कर दिया, और उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। बृजलाल के सिर से खून निकल

रहा था, इसके बाद मिथलेश अपनी पत्नी राजकुमारी की सहायता से शव को अपने घर में सुअरों के लिए बनाए गए गड्ढे में डाल दिया था। मामला आरोपी के द्वारा ही संज्ञान मे लाने पर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को मामले में त्वरित कार्रवाई करने और शव को बरामद करने के निर्देश दिए थे। पुलिस टीम ने नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में 01 अप्रैल को भगवानपुर खुर्द के लोहारपारा जाकर तफ्तीश की और अकेले रहने वाले बृजलाल अगरिया का शव तहसीलदार एवं पुलिस टीम की उपस्थित में मिथलेश कुजूर के घर में बनाए गए गड्ढे से बरामद किया था। शव की पहचान परिजनों एवं ग्रामीणों के द्वारा बृजलाल के रूप में की गई। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 103 (1), 238, 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया और आरोपी मिथलेश कुजूर पिता सुंदर कुजूर 41 वर्ष व राजकुमारी पति मिथलेस कुजूर 34 वर्ष को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। मिथलेश कुजूर ने पूछताछ में बताया कि मृतक बृजलाल उसकी पत्नी से अक्सर मिलना-जुलना करता था, इसे लेकर दोनों के मध्य पहले भी विवाद हुआ था। घटना दिनांक को दोनों को आरोपी ने साथ में देखा, और अवैध संबंध की आशंका पर आवेश में आकर लाठी से सिर में गंभीर चोट पहुंचाकर उसकी हत्या करके पत्नी की सहायता से शव को गड्ढे में डाल दिया था। कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में थाना गांधीनगर से उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक रुस्तम सिंह सोनवानी, अमित प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, महिला आरक्षक प्रिया रानी, आरक्षक अमीर सिंह, घनश्याम देवांगन, सुल्तान अहमद, संदीप सिंह, उमेश गुप्ता, आनंद केरकेट्टा, मोतीलाल केरकेट्टा सक्रिय रहे।

पशु चिकित्सा विभाग रामानुजगंज में 15 प्रतिशत कमीशनखोरी का ऑडियो वायरल

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के रामानुजगंज का पशु चिकित्सा विभाग एक बार फिर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के गंभीर आरोपों के चलते सुर्खियों में है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक ऑडियो ने विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। ऑडियो में कथित रूप से विभाग के एक कर्मचारी द्वारा गौ सेवक से मानदेय के एवज में 15 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही है। बताया जा रहा है कि रामानुजगंज में पदस्थ कंपाउंडर बी.वी. गुप्ता द्वारा गौ सेवक से कहा जा रहा है कि अन्य लोग हिस्सा दे

चुके हैं, तुम्हें भी देना होगा। इतना ही नहीं, ऑडियो वायरल होने के बाद संबंधित कर्मचारी द्वारा यह स्वीकार करना कि वह उच्च अधिकारियों के कहने पर वसूली कर रहा था, पूरे मामले को और गंभीर बना देता है। सूत्रों के अनुसार, यह कोई नया मामला नहीं है बल्कि लंबे समय से विभाग में कमीशन का खेल चल रहा है। प्राइवेट कार्यकर्ता विशेषकर कृत्रिम गर्भाधान (एआई) और टीकाकरण से जुड़े कर्मचारी लगातार मानसिक और आर्थिक शोषण का आरोप लगा रहे हैं। इनका कहना है कि बिना कमीशन दिए भुगतान तक अटकाया जाता है, जिससे मेहनत करने वाले जमीनी कार्यकर्ता सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, विभाग में वर्षों से जमे कुछ अधिकारियों पर भी उंगलियां उठ रही हैं। आरोप है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहकर उन्होंने ऐसी जड़ें जमा ली हैं कि बिना हिस्सेदारी के कोई काम संभव नहीं होता। यहां तक कि जिला स्तर तक 'हिस्सा पहुंचने' की चर्चाएं आम हो चली हैं, जिससे पूरे तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिला मुख्यालय में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहा है। आरोप है कि अधिकारी फिल्ड निरीक्षण के बजाय केवल फाइलों तक सीमित रहते हैं। यदि समय-समय पर जमीनी जांच होती, तो इतने बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार पनपने की नौबत ही नहीं आती। चौंकाने वाली बात यह भी है कि जब भी विभाग की लापरवाही उजागर होती है, तो तत्काल फोटो सेशन और प्रेस नोट जारी करके सब कुछ ठीक होने का दावा किया जाता है, जबकि हकीकत इससे बिल्कुल विपरीत है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी अब सवालों के घेरे में है। आखिर क्यों इस गंभीर मुद्दे पर कोई ठोस पहल नहीं हो रही, यह चर्चा आमजन के बीच तेजी से फैल रही है। अब देखना होगा कि वायरल ऑडियो और गंभीर आरोपों के बाद प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

पूर्व सरकार के चहेते हैं जिम्मेदार

सूत्र बताते हैं कि रामानुजगंज में पदस्थ जिम्मेदार, पूर्व सरकार के काफी करीबी और चहेते माने जाते थे, वही जिला मुख्यालय में बैठे जिम्मेदारों के भी चहेते थे। अभी तक इनका बोलबाला है, क्योंकि यह विभाग वसूली में नंबर वन कहलाने लगा है। चार-

स्थायी वारंटी गिरफ्तार, आबकारी एक्ट के मामले में था फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना लखनपुर पुलिस टीम ने आबकारी एक्ट के मामले में जारी वारंट पर की गई कार्रवाई के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पूर्व में शराब तस्करी के मामले में जिला सूरजपुर एवं गौरेला पेंड्रा मरवाही में चालान हो चुका है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। बता दें कि डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने जिले के सभी थाना, चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में लंबित स्थाई व गिरफ्तारी वारंट की तामिली कर वर्षों से फरार चल रहे वारंटियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने केस नंबर 6178/24, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के फरार आरोपी सत्यनारायण उर्फ संतु पिता टेकराम 25 वर्ष, निवासी उमरौली थाना लखनपुर के विरूद्ध न्यायालय ने स्थाई वारंट जारी किया था। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु जारी स्थायी वारंट पर थाना लखनपुर पुलिस टीम ने फरार चल रहे स्थायी वारंटी को पकड़कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। स्थायी वारंट की तामिली में थाना प्रभारी उदयपुर उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, प्रधान आरक्षक पीताम्बर सिंह, प्रधान आरक्षक प्रवीणचंद तिवारी, प्रधान आरक्षक देवनारायण कंवर, आरक्षक जगेश्वर बघेल, श्याम सुन्दर, दशरथ राजवाड़े, सैनिक विजय सक्रिय रहे।

सरहुल के मौके पर निकली शोभायात्रा, परंपरागत तरीके से की गई प्रकृति की पूजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रकृति का पर्व सरहुल आदिवासियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, और वे इसे धूमधाम से मनाते हैं। इसी क्रम में गुरूवार को अंबिकापुर में सरहुल पर्व को उरांव समुदाय के महिला-पुरूषों ने झूमते-नाचते गाते, प्रकृति की पूजा करके परंपरागत तरीके से मनाया। इस मौके पर शहर के कलाकेन्द्र मैदान से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के बाद समाज के प्रकृति के बीच एक जगह इकठ्ठा हुए और सरना, धरती की पूजा की। पूजा के बाद उरांव समाज के वरिष्ठ लोगों ने समाज की भलाई के लिए प्रवचन दिया, और सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। पूजन कार्यक्रम में मंत्री राजेश अग्रवाल भी शामिल हुए, उन्होंने सभी को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी। प्रकृति की उपासना का सरहुल पर्व गुरूवार को अंबिकापुर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सरना देव (साल वृक्ष) परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना की गई। परंपरागत वाद्य यंत्रों के साथ शहर में बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया गया। सामाजिक भवन पटेलपारा से सरना स्थल शंकरघाट को सजाया गया था। इस दिन समाज के लोग सरना देव की पूजा-अर्चना करते हैं। इसी क्रम में सुबह शंकरघाट स्थित सरना स्थल पर बैगा द्वारा पूजा-अर्चना की गई। दोपहर में बाजे-गाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पटेलपारा से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होकर सरना स्थल शंकर घाट पहुंची। सरना स्थल पर सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में समाज के प्रबुद्ध लोगों ने सामाजिक एकता का संदेश दिया। सभी ने समाज के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराते हुए सभ्यता, संस्कृति से जुड़े रहने का आव्हान किया। वक्ताओं ने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है और इस संस्कृति को हम सभी को बचाकर रखना है। नई पीढ़ी को परंपरागत पर्व और संस्कृति से जोड़कर रखना है। सरनास्थल के अलावा सामाजिक भवन पटेलपारा में भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मांदर की थाप पर समाज के लोगों ने मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर